■ आषाढ़ कृष्ण - 6 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 329 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 27-06-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस के काले कारनामे को जनता तक पहुंचाना जरूरी
6 कल्पनाओं को साकार करती कृत्रिम बुद्धिमत्ता
7 'मिर्जापुर' के लोकप्रिय होने से पहले हम सिर्फ 'कलाकार' थे : पंकज त्रिपाठी

ओम बिरला पुनः चुने गए लोकसभा अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद ओम बिरला को बुधवार को ध्वनिमत से लोकसभा अध्यक्ष चुन लिया गया। वह दूसरी बार यह उत्तरदायित्व संभाल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अध्यक्ष पद के लिए बिरला के नाम का प्रस्ताव रखा जिसका रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अनुमोदन किया।

इस प्रस्ताव को प्रोटेम स्पीकर (कार्यवाहक अध्यक्ष) भर्तृहरि महताब ने सदन में मतदान के लिए रखा और इसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी दे दी। विपक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए कांग्रेस सांसद कोडिकुन्नील सुरेश को अपना प्रत्याशी बनाया था, लेकिन सदन में मत-विभाजन कराने पर जोर नहीं दिया। इसके बाद कार्यवाहक अध्यक्ष महताब ने बिरला को लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने की घोषणा की।

इस दौरान बिरला सदन में अग्रिम पंक्ति में बैठे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिरला के पास जाकर उन्हें बधाई दी। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बिरला को बधाई दी और प्रधानमंत्री मोदी से भी हाथ मिलाया। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू, बिरला को अध्यक्षीय आसन तक लेकर गए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अलावा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत विपक्ष के कई नेताओं ने बिरला को बधाई दी। विपक्ष के नेताओं ने उम्मीद जताई कि उन्हें सदन में जनता की आवाज उठाने का पर्याप्त समय मिलेगा।

सड़क व संसद के विरोध में अंतर होना चाहिए, संसदीय मर्यादा के अनुरूप हो असहमति : बिरला

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को सदन को संबोधित करते हुए कहा कि सभी सदस्यों को संसदीय परंपराओं के अनुरूप सामूहिक रूप से राष्ट्रहित के लिए काम करना चाहिए तथा सड़क और संसद में विरोध के अंतर को समझते हुए सहमति-असहमति व्यक्त करनी चाहिए।

बिरला ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनी है और पिछले एक दशक में देश की जनता की अपेक्षाएं, आशाएं और आकांक्षाएं बढ़ी हैं। उन्होंने कहा, ''हम सबका दायित्व हो जाता है कि जनता की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए हम सामूहिक प्रयास करें। हम रचनात्मक चिंतन और नूतन विचारों के साथ काम करें। उच्चकोटि की संसदीय परंपराएं स्थापित हों। पक्ष, विपक्ष की मर्यादित सहमति-असहमति की अभिव्यक्ति हो। देश में ज्वलंत मुददों पर सार्थक चर्चा, संवाद हो। हम विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की इच्छाशक्ति के साथ काम करें।''

बिरला ने कहा, ''मैं कभी किसी सदस्य के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं चाहता लेकिन आप भी संसदीय परंपराओं का ध्यान रखें। संसद के विरोध में और सड़क के विरोध में अंतर होना चाहिए। विरोध के तरीके को संसद की मर्यादा के अनुरूप अपनाएं।'' उन्होंने कहा कि व्यवधान लोकसभा की परंपरा का हिस्सा नहीं है और उन्हें उम्मीद है कि भविष्य में उन्हें कोई कड़ी कार्रवाई नहीं करनी पड़ेगी।

नागरिकों के सपनों को पूरा करेगी 18वीं लोकसभा : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने पर ओम बिरला को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनकी अध्यक्षता में 18वीं लोकसभा देश के नागरिकों के सपनों को सफलतापूर्वक पूरा करेगी।

मोदी ने कहा, ''आप दूसरी बार इस आसन पर विराजमान हो रहे हैं, यह इस सदन का सौभाग्य है। अठारहवीं लोकसभा में अध्यक्ष का कार्यभार दूसरी बार संभालना, अपने आप में एक नया रिकॉर्ड है। आपको और पूरे सदन को मेरी तरफ से बधाई और शुभकामनाएं।'' मोदी ने कहा कि अमृतकाल के इस महत्वपूर्ण कालखंड में दूसरी बार इस पद पर विराजमान होना बहुत बड़ा दायित्व है। उन्होंने कहा, ''हम सबका विश्वास है कि आने वाले पांच साल में आप हमारा मार्गदर्शन करेंगे और देश की आकांक्षाओं तथा अपेक्षाओं को पूरा करने में आपकी बड़ी भूमिका रहेगी।''

मोदी ने कहा, ''आप तो सफल होने ही वाले हैं लेकिन आपकी अध्यक्षता में 18वीं लोकसभा बहुत सफलतापूर्वक देश के नागरिकों के सपनों को पूरा करेगी।''

राहुल गांधी बने नेता प्रतिपक्ष

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को सदन में नेता प्रतिपक्ष के रूप में आधिकारिक रूप से मान्यता दे दी। लोकसभा सचिवालय की अधिसूचना में यह जानकारी दी गई है। राहुल गांधी का नेता प्रतिपक्ष का दर्जा नौ जून, 2024 से प्रभावी रहेगा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने मंगलवार को लोकसभा के कार्यवाहक अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) भर्तृहरि महताब को पत्र भेज कर कांग्रेस के इस फैसले के बारे में उन्हें अवगत कराया था कि राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष होंगे। बिरला बुधवार को ध्वनिमत से लोकसभा अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

बिरला ने आपातकाल की निंदा वाला प्रस्ताव पढ़ा

कांग्रेस सदस्यों ने किया पुरजोर विरोध

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के फिर से अध्यक्ष बनने के कुछ देर बाद बुधवार को सदन में उस वक्त हंगामा देखने को मिला जब बिरला ने 1975 में कांग्रेस सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल की निंदा करते हुए बुधवार को एक प्रस्ताव पढ़ा और कहा कि वह कालखंड काले अध्याय के रूप में दर्ज है ''जब देश में तानाशाही थोप दी गई थी, लोकतांत्रिक मूल्यों को कुचला गया था और अभिव्यक्ति की आजादी का गला घोंट दिया गया था''। इस दौरान सदन में कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने जोरदार हंगामा किया और नारेबाजी की। आपातकाल पर प्रस्ताव पढ़ते हुए बिरला ने कहा, ''अब हम सभी आपातकाल के दौरान कांग्रेस की तानाशाही सरकार के हाथों अपनी जान गंवाने वाले नागरिकों की स्मृति में मौन रखते हैं।''

इसके बाद सत्तापक्ष के सदस्यों ने कुछ देर मौन रखा, हालांकि इस दौरान विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी और टोकाटाकी जारी रखी।

मौन रखने वाले सदस्यों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उनकी मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य और सत्तापक्ष के अन्य सांसद शामिल रहे।

बिरला ने कहा, ''यह सदन 1975 में आपातकाल लगाने के निर्णय की कड़े शब्दों में निंदा करता है। इसके साथ ही हम उन सभी लोगों की संकल्पशक्ति की सरहाना करते हैं जिन्होंने आपातकाल का विरोध किया था और भारत के लोकतंत्र की रक्षा का दायित्व निभाया।''

आशा है विपक्ष को बोलने का मौका देकर संविधान रक्षा का कर्तव्य निभाएंगे बिरला : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को सदन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष ओम बिरला को बधाई दी और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह विपक्ष को बोलने का मौका देकर संविधान की रक्षा का अपना दायित्व निभाएंगे। कांग्रेस नेता ने कहा, ''मैं आपके दूसरी बार अध्यक्ष चुने जाने पर आपको बधाई देना चाहता हूं। मैं पूरे विपक्ष की ओर से, 'इंडिया' गठबंधन की ओर से आपको बधाई देना चाहता हूं।''

राहुल गांधी ने कहा, ''अध्यक्ष महोदय, यह सदन भारत के लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है और आप उस आवाज के संरक्षक हैं। निस्संदेह, सरकार के पास राजनीतिक शक्ति है लेकिन विपक्ष भी भारत के लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है।'' उनका कहना था कि विपक्ष सदन चलाने में पूरा सहयोग करेगा, लेकिन यह भी जरूरी है कि विपक्ष को सदन के अंदर लोगों की आवाज उठाने का मौका मिले। उन्होंने कहा, ''सहयोग विश्वास के आधार पर होना चाहिए और विपक्ष की आवाज को सदन में उठाए जाने की अनुमति दी जानी चाहिए। सवाल यह नहीं है कि सदन कितनी कुशलता से चल रहा है, सवाल यह है कि सदन में भारत की कितनी आवाज सुनी जा रही है। इसलिए यह विचार कि आप विपक्ष की आवाज को बंद करके सदन को कुशलतापूर्वक चला सकते हैं, गैर-लोकतांत्रिक है।''

फर्स्ट टेक

हूती ने अरब सागर में इजरायली जहाज पर हमले का दावा किया

सना/एजेन्सी। यमन के हूती समूह ने अरब सागर में इजरायली जहाज पर मिसाइल हमले की जिम्मेदारी ली है। हूती द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी पर हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सारेया ने कहा, 'हूती नौसैनिक बलों ने अरब सागर में इजरायली जहाज, एमएससी सारा वी को निशाना बनाते हुए एक गुणात्मक सैन्य अभियान चलाया और हमला सटीक और सीधा था।' सारेया ने कहा कि हमला सफल प्रायोगिक अभियानों के बाद तैनात एक नई बैलिस्टिक मिसाइल के साथ किया गया था।मिसाइल ने लक्ष्य पर सटीक मार करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया।

आईसीसी ने बल्ला जमीन पर फेंकने के लिए राशिद को फटकार लगाई

दुबई/भाषा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच के दौरान अपने साथी करीब जनत के रन लेने से मना करने के बाद हताशा में बल्ला जमीन पर फेंकने के लिए आधिकारिक तौर पर फटकार लगाई है। यह घटना अफगानिस्तान की पारी के अंतिम ओवर में घटी, जब जनत के दूसरा रन लेने से मना करने के बाद राशिद अपना आपा खो बैठे। आईसीसी ने विज्ञप्ति में कहा, ''राशिद को खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.9 का उल्लंघन करते हुए पाया गया जो किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी खिलाड़ी पर या उसके पास अनुचित या खतरनाक तरीके से गेंद (या क्रिकेट उपकरण का कोई अन्य सामान) फेंकने से संबंधित है।''

सुकमा में आईईडी विस्फोट में शामिल छह नक्सली गिरफ्तार

सुकमा/भाषा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में 23 जून को आईईडी से ट्रक को उड़ाने के मामले में शामिल कम से कम छह नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके पास से विस्फोटक बरामद हुए हैं। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। इस विस्फोट में सीआरपीएफ की कोबरा इकाई के दो जवान शहीद हो गए थे। एक अधिकारी ने बताया कि नक्सलियों को मंगलवार को पुलिस और सीआरपीएफ की कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन (कोबरा) की 201वीं इकाई ने नक्सल विरोधी अभियान के दौरान सुकमा जिले के जगरगुंडा थाना क्षेत्र के अंतर्गत तिम्मापुरम और टेकलगुडम गांवों के बीच के जंगलों से गिरफ्तार किया।

सूर्यास्त 27-06-2024	सूर्योदय 28-06-2024
6:49 बजे	5:56 बजे

BSE	NSE
78,674.25 (+620.73)	23,868.80 (+147.50)

सोना	चांदी
7,380 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	91,100 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पक्ष-विपक्ष

सत्ता जिसको भी ठीक कहे,
प्रतिपक्ष उसे अनुचित कहता।
सच्चाई पर सहमति के बिन,
भटकाव बना हरदम रहता।
कमजोर तर्क की नींवों पर,
जो महल बना जल्दी ढहता।
उम्मीद लगाए जन मानस,
परिवर्तन धारा में बहता।।

आबकारी नीति मामला:

केजरीवाल को तीन दिन की सीबीआई हिरासत में भेजा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को तीन दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया। जांच एजेंसी ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में उन्हें गिरफ्तार किया था। विशेष न्यायाधीश अमिताभ रावत ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की अर्जी पर यह आदेश पारित किया। जांच एजेंसी ने अदालत से अनुमति मिलने के बाद बुधवार को केजरीवाल को औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में जेल में बंद हैं, जिसकी जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रहा है।

न्यायाधीश ने कहा, सीबीआई का अनुरोध तीन दिन के लिए स्वीकार किया जाता है।

केजरीवाल की हिरासत की मांग करते हुए सीबीआई ने अदालत से कहा कि मामले में बड़ी साजिश का पता लगाने के लिए उनसे पूछताछ की जरूरत है। उसने यह भी कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री का मामले में मौजूद सबूतों और अन्य आरोपियों से आमना-सामना कराया जाना जरूरी है।

केजरीवाल ने जमानत पर अंतरिम रोक के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में दायर याचिका वापस ली

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कथित आबकारी घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में निचली अदालत के जमानत आदेश पर दिल्ली उच्च न्यायालय की अंतरिम रोक को चुनौती देने वाली अपनी याचिका बुधवार को उच्चतम न्यायालय से वापस ले ली। न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की अवकाशकालीन पीठ ने केजरीवाल को अपनी याचिका वापस लेने की अनुमति दी।

महाराजा रणजीत सिंह

सिख साम्राज्य के पहले शासक महाराज रणजीत सिंह की प्रतिमा को मरम्मत के बाद करीब 450 भारतीय सिख श्रद्धालुओं की उपस्थिति में बुधवार को पाकिस्तान के करतारपुर साहिब में फिर से स्थापित किया गया। इस प्रतिमा को पहले लाहौर स्थित किले में महाराजा रणजीत सिंह की समाधि के पास स्थापित किया गया था जिसे धार्मिक कट्टरपंथियों ने क्षतिग्रस्त कर दिया था। पाकिस्तान और भारत के सिख समुदाय के सदस्यों ने महाराजा की स्थापित प्रतिमा के सामने तस्वीर खिंचवाई।

जैश-ए-मोहम्मद के तीन संदिग्ध आतंकवादी मारे गए

भद्रवाह/जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर में डोडा जिले के एक वन क्षेत्र में बुधवार को छह घंटे से अधिक समय तक हुई मुठभेड़ में पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े तीन आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, पर्वतीय जिले में 11 और 12 जून को हुए दोहरे आतंकवादी हमले के बाद पुलिस, सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) द्वारा गहन तलाशी और घेराबंदी अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान सुबह नौ बजकर 50 मिनट पर गंडोह क्षेत्र के बजाद गांव में गोलीबारी शुरू हुई जिसमें एक पुलिसकर्मी भी घायल हो गया। उन्होंने कहा कि जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने तीन आतंकवादियों को मार गिराया।

सड़कें अच्छी हालत में न हों तो टोल न वसूलें राजमार्ग एजेंसियां : गडकरी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि अगर सड़कें अच्छी हालत में नहीं हैं तो राजमार्ग का संचालन करने वाली एजेंसियों को उपयोगकर्ताओं से टोल नहीं वसूलना चाहिए। गडकरी उपग्रह-आधारित टोल संग्रह प्रणाली पर आयोजित एक वैश्विक कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। इस प्रणाली को चालू वित्त वर्ष में ही 5,000 किलोमीटर से अधिक लंबे राजमार्गों पर लागू किया जाना है।

गडकरी ने कहा, ''अगर आप अच्छी गुणवत्ता वाली सेवा नहीं देते हैं, तो आपको टोल नहीं वसूलना चाहिए। हम उपयोगकर्ताओं से शुल्क वसूलने और अपने हितों को सुरक्षित रखने के लिए टोल वसूलने की जल्दबाजी में हैं।'' उन्होंने कहा, ''आपको उसी जगह पर उपयोगकर्ता शुल्क वसूलना चाहिए, जहां आप सबसे अच्छी गुणवत्ता वाली सड़क मुहैया करा रहे हैं। अगर आप गड्ढों और कीचड़ वाली सड़कों पर भी टोल वसूलते हैं, तो आपकों लोगों की प्रतिक्रिया का भी सामना करना होगा।''

विदेशों में रह रहे लोगों ने भारत में भेजे 120 अरब डॉलर

वाशिंगटन/भाषा। विदेशों में रह रहे भारतीयों ने बीते वर्ष यानी 2023 में 120 अरब डॉलर स्वदेश भेजे। यह मेक्सिको को इसी अवधि में प्राप्त 66 अरब डॉलर के मुकाबले लगभग दोगुना आंकड़ा है। विश्व बैंक की बुधवार को जारी रिपोर्ट में यह कहा गया है। विदेशों से भेजी गयी राशि (रेमिटेंस) प्राप्त करने वालों में चीन (50 अरब डॉलर), फिलिपीन (39 अरब डॉलर) और पाकिस्तान (27 अरब डॉलर) शीर्ष पांच देशों में शामिल हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, 2021-2022 के दौरान मजबूत वृद्धि के बाद 2023 में आधिकारिक तौर पर बाहर से भेजे गये पैसे या धन प्रेषण निम्न और मध्यम आय वाले देशों (एलएमआईसी) में कम रहा और यह 656 अरब डॉलर तक पहुंच गया। भारत के मामले में धन प्रेषण में 2023 में 7.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 120 अरब डॉलर रहा। यह अमेरिका में महंगाई में गिरावट और मजबूत श्रम बाजारों के लाभ को बताता है। अमेरिका, भारत के कुशल प्रवासियों के लिए सबसे बड़ा गंतव्य है। इसके अलावा कुशल और अर्द्ध कुशल श्रमिकों की खाड़ी देशों (जीसीसी) में मांग से भी धन प्रेषण पर सकारात्मक असर पड़ा।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के गर्भगृह में पानी टपकने की कोई समस्या नहीं : चंपत राय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने बुधवार को कहा कि मंदिर के गर्भगृह में पानी रिसने की रत्तीभर भी समस्या नहीं है, पर बिजली की तारों की निर्माणाधीन कंड्यूट (पाइप) के रास्ते कुछ पानी भूतल पर जरूर दिखाई दिया था, जो कोई समस्या नहीं है।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में छत से पिछले दिनों कथित रूप से बारिश का पानी टपकने की चर्चाओं के बीच जारी बयान में श्री राय ने कहा, जहाँ भगवान रामलला विराजमान है, वहाँ छत से एक भी बूंद पानी नहीं टपका है और न ही कही से पानी गर्भगृह में प्रवेश हुआ है।

बयान में यह भी कहा गया है कि मंदिर भवन में अभी निर्माण कार्य चल रहे हैं और कुछ मंडपों की छतें अभी घुम्मट आदि का निर्माण न होने से वे खुले हैं जो मानचित्र के अनुसार कार्यपूर्ण होने पर ढक जाएंगे।

राय ने बयान में कहा, चूंकि प्रथम तल पर बिजली, वाटर प्रूफिंग एवं फ्लोरिंग का कार्य प्रगति पर है अतः सभी जंक्शन बॉक्सेज़ में पानी प्रवेश करने से वही पानी कंड्यूट के सहारे भूतल पर गिरा है। उसे देखने पर यह प्रतीत हो रहा था कि पानी छत से टपक रहा है। जबकि यथार्थ में पानी कंड्यूट पाइप के सहारे भूतल पर निकल रहा था। बयान में कहा गया है कि पत्थर से बने मंदिर में बिजली के कन्ड्युट (पाइप) एवं जंक्शन बाक्स का कार्य पत्थर की छत के ऊपर होता है एवं कन्ड्युट को छत में छेद करके नीचे उतारा जाता है जिससे मंदिर के भूतल के छत की लाइटिंग होती है। ये कन्ड्युट एवं जंक्शन बाक्स ऊपर के फ्लोरिंग के दौरान वाटर-टाइट करके सतह में छुपायी जाती हैं।

कर्नाटक पॉन ब्रोकर्स एसोसिएशन की कार्यकारिणी समिति की बैठक संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय कर्नाटक पॉन ब्रोकर्स एसोसिएशन की एक कार्यकारिणी समिति की बैठक बुलाई गई। जिसमे सर्वप्रथम मंगलाचरण किया गया। सहमंत्री प्रदीप सकलेचा ने गत कार्यवाही को पढ़ा। कोषाध्यक्ष विजयराज सेठिया ने मार्च तक आय व्यय का ब्योरा दिया। बैठक में सभी सदस्यों से सुझाव पूछे गए । काफी लोगों ने अपने-अपने विचार रखें। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष मदनलाल सकलेचा ने की एवं मंत्री मनोहरलाल लुकड ने बैठक का संचालन किया। सभी सदस्यों के विचार विनिमय किया गया और गत 6 महीने में होने वाली सभी गतिविधियों से सभी सदस्यों को अवगत कराया गया। अंत में प्रदीप सकलेचा ने धन्यवाद दिया।

कंपनियों में उत्पादकता में उछाल के लिए कृत्रिम मेधा का उपयोग बड़ी चुनौती: निलेकणि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इन्फोसिस के चेयरमैन नंदन एम निलेकणि ने बुधवार को कहा कि उपभोक्ता के लिए जिस तरीके से कृत्रिम मेधा का उपयोग है, वह कंपनियों के मामले में अलग है। उद्यमों के लिए अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी के सामने आने में समय लगेगा और उनके लिए उत्पादकता में उछाल के लिए एआई के लाभ का उपयोग सबसे बड़ी चुनौती है।

नीलेकणि ने इन्फोसिस की 43वीं वार्षिक आम बैठक में कहा कि एआई को लेकर शुरूआत में जो एक निराशावाद था, वह दूर हो गया है और लोगों ने स्वीकार कर लिया है कि यह किसी भी अन्य सामान्य-उद्देश्य वाली प्रौद्योगिकी... बिजली, परमाणु ऊर्जा, इंटरनेट आदि की तरह है। सृजन से जुड़ा (जनरेटिव) कृत्रिम मेधा (एआई) जब जिम्मेदारी की सीमाओं के भीतर आगे बढ़ता है तो इसमें अच्छाई की काफी संभावनाएं होती हैं। उन्होंने कहा, ''दुनिया एआई विकास के अभी काफी शुरूआती चरण में है। उपभोक्ताओं से जुड़ा जो कृत्रिम मेधा है, वह तेजी से सामने आएगा। लेकिन इसके विपरीत उद्यमों के स्तर पर कृत्रिम मेधा का लाभ आने

में कई साल लगेंगे। इन्फोसिस इस मामले में अच्छी स्थिति में है।''

निलेकणि ने कहा, ''जिस गति से हमारे चारों ओर सब कुछ विकसित हो रहा है वह चकित कर देने वाला है। हमारे समय की एक बड़ी चुनौती उद्यमों के लिए उत्पादकता में नये उछाल के लिए एआई के लाभ को सामने लाना है। हमने इस दिशा में कदम बढ़ाना शुरू कर दिया है...।'' उन्होंने कहा कि शक्तिशाली 'ओपन-सोर्स एआई मॉडल' के उभरने से कठिन कारोबारी और सामाजिक चुनौतियों को हल करने के लिए कृत्रिम मेधा के उपयोग में भी तेजी ला दी है। निलेकणि ने कहा, ''जैसे-जैसे हम उपयोग के स्तर पर आगे बढ़ेंगे, हजारों फूल खिलेंगे।'' इन्फोसिस का दावा है कि उसने सृजन से जुड़े एआई के क्षेत्र में 2.5 लाख कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया है। निलेकणि ने कहा कि उपभोक्ता से जुड़े एआई से लाखों लोगों के लिए जीवन आसान और अधिक सार्थक होगा। जबकि दूसरी ओर, उद्यम के मामले में एआई बहुत अधिक जटिल है। उन्होंने कहा, '' एआई को लेकर कंपनियों के भीतर दशकों से चलन में मौजूद प्रौद्योगिकी में बदलाव की आवश्यकता होगी। चुनौती कंपनियों के अंदर व्यापक डेटा को इस तरह से व्यवस्थित करने की भी होगी कि इसका एआई द्वारा उपयोग किया जा सके...।'' निलेकणि ने यह भी कहा कि हालांकि एआई को लेकर चिंताएं हैं, लेकिन जिम्मेदार एआई पर कोई वैश्विक पहल नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि हालांकि इन्फोसिस जिम्मेदार बनने और सॉफ्टवेयर विकास के समय गंभीरता से लेने के लिए प्रतिबद्ध है।

महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन ने मुख्यमंत्री की चाय पार्टी का बहिष्कार किया

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) ने राज्य विधानसभा के मानसून सत्र की पूर्व संध्या पर बुधवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की चाय पार्टी का बहिष्कार किया और सरकार पर जनता के मुद्दों को हल करने में विफल रहने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता अंबादास दानवे ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। हर विधानसभा सत्र से पहले रस्मी चाय पार्टी का आयोजन किया जाता है और यह चाय पार्टी बुधवार शाम को होनी है। मुंबई में 27 जून से 12 जुलाई तक आयोजित किए जाने वाले मानसून सत्र के दौरान महायुति गठबंधन सरकार 28 जून को विधानसभा के दोनों सदनों में राज्य का बजट पेश करेगी। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर फरवरी में अंतरिम बजट पेश किया गया था।

भारत के घरेलू बाजार में अब भी उपग्रह प्रक्षेपण की पर्याप्त मांग नहीं : इसरो प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख एस.सोमनाथ ने बुधवार को कहा कि भारत के उपग्रह प्रक्षेपण बाजार में अब तक पर्याप्त मांग नहीं है लेकिन उपग्रह प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर अधिक काम कर मांग में वृद्धि की जा सकती है। इंडिया स्पेस कांग्रेस-2024 को संबोधित करते हुए सोमनाथ ने कहा कि बड़ी कंपनियां अंतरिक्ष क्षेत्र में प्रवेश करने को इच्छुक हैं लेकिन लाभ और मांग पैदा होने को लेकर उनकी चिंताएं हैं। उन्होंने कहा, '' जब मैं सुविधाएं स्थापित करने के इच्छुक उद्योगों में से कई से बात करता हूं तो वे सभी इसके लिए तैयार हैं। लेकिन वे पूछ रहे हैं कि वे कब तक मुनाफे पर आएंगे और मांग कहां है ताकि वे सुरक्षित रूप से इसमें निवेश कर सकें। मुझे लगता है कि यह एक बड़ा सवाल है।''

प्रख्यात अंतरिक्ष वैज्ञानिक ने बताया, ''बड़े परियोजनाओं से जुड़ने

के लिए निवेशकों को राजी करने में यह सबसे बड़ी चुनौती है।'' इंडिया स्पेस कांग्रेस-2024 से इतर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सोमनाथ ने कहा, ''हमें और घरेलू मांग पैदा करने की जरूरत है। घरेलू मांग पर्याप्त नहीं है। इस दिशा में हम सभी काम कर रहे हैं। मांग उपयोगकर्ता की ओर से आएगी, संचार क्षेत्र से आएगी जिसमें निश्चित तौर पर बड़े उपग्रह निर्माता शामिल हैं।'' इसरो प्रमुख ने कहा, '' हम कक्षा के ऐसे हिस्से और 'फ्रीक्वेंसी' तलाश करना चाहेंगे जिन्हें उद्योग को उपग्रह और प्रक्षेपण यान बनाने के लिए आवंटित किया जा सके। यह आंतरिक मांग पैदा करने की दिशा में पहला कदम है। इनस्पेस ने पहले ही एक नया पृथ्वी अवलोकन मंडल (उपग्रहों की समन्यवित शृंखला) बनाने के लिए वित्तपोषण की योजना की घोषणा की है। यह फिर से आंतरिक मांग पैदा करने की दिशा में एक और कदम है।'' उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर अंतरिक्ष तक पहुंचने का खर्च उल्लेखनीय रूप से कम हुआ है और खासतौर पर स्पेसएक्स की वजह से। लेकिन भारत के प्रक्षेपण यान की लागत में उस तरह की कमी नहीं आई है। सोमनाथ ने कहा कि लागत में कमी से छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण को बढ़ावा मिलेगा और अंतरिक्ष क्षेत्र नए भागीदारों को आकर्षित करेगा। इसरो प्रमुख ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अमृतकाल के लिए पेश किए गए दृष्टिकोण का संदर्भ दिया जिसमें गगनयान मिशन के तहत अतंरिक्ष में मानव को भेजने से परे 2040 में चंद्रमा की सतह पर अंतरिक्ष यात्रियों को उतारने का लक्ष्य तय किया गया है। सोमनाथ ने हालांकि स्वीकार किया कि भारत के मौजूदा रॉकेट चंद्रमा तक जाने में सक्षम नहीं हैं। भविष्य के मानव मिशन और नमूनों को धरती पर लाने के लिए उच्च भार ले जाने में सक्षम रॉकेट का विकास करना आवश्यक है।

चालू वित्त वर्ष में सात प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था : एनसीईआर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सामान्य से बेहतर मानसून की उम्मीद और अबतक कोई ज्ञात वैश्विक जोखिम नहीं होने के कारण भारत की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष (2024-25) में सात प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ेगी। आर्थिक शोध संस्थान एनसीईआर ने यह अनुमान लगाया है। एनसीईआर ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सात प्रतिशत से अधिक और 7.5 प्रतिशत के आसपास रहेगी।

आर्थिक शोध संस्थान ने अपनी मासिक समीक्षा में कहा कि प्रमुख आर्थिक संकेतकों से पता चलता है कि घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है और सभी एजेंसियों ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने वृद्धि अनुमान में संशोधन किया है। नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लायड इकनॉमिक रिसर्च (एनसीईआर) की महानिदेशक पूनम गुप्ता ने कहा, चालू वित्त वर्ष के दौरान जीडीपी की वृद्धि दर सात प्रतिशत से अधिक तथा 7.5 प्रतिशत के करीब हो सकती है।

गुप्ता ने कहा कि यह संभावना पहली तिमाही में देखी गई आर्थिक गतिविधियों में तेजी, निवेश, वृद्धि और व्यापक आर्थिक स्थिरता पर गहन नीतिगत ध्यान और सामान्य मानसून की उम्मीदों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति के चरम पर पहुंचने के साथ ही मौद्रिक नीति को और कड़ा किए जाने की संभावना नहीं है। अंततः, वैश्विक वातावरण भी अनुकूल प्रतीत होता है, क्योंकि अबतक कोई ज्ञात वैश्विक जोखिम नहीं है। गुप्ता ने कहा कि खाद्य कीमतों पर काबू पाना एक चुनौती है।

फॉक्सकॉन संयंत्र में विवाहित महिलाओं को काम करने की अनुमति नहीं, श्रम मंत्रालय ने रिपोर्ट मांगी

नई दिल्ली/भाषा। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि उसने फॉक्सकॉन इंडिया के एप्पल आईफोन संयंत्र में विवाहित महिलाओं को काम करने की अनुमति नहीं देने के मुद्दे पर तमिलनाडु के श्रम विभाग से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इस बारे में मीडिया में खबरें आई हैं जिसके बाद श्रम विभाग ने यह कदम उठाया है। श्रम मंत्रालय ने बयान में कहा कि समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976 की धारा 5 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पुरुष और महिला श्रमिकों की भर्ती करते समय कोई भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। इसमें कहा गया है कि चूंकि राज्य सरकार इस अधिनियम के प्रावधानों के प्रवर्तन और प्रशासन के लिए उपयुक्त प्राधिकारी है, इसलिए उससे रिपोर्ट मांगी गई है। इसने कहा कि क्षेत्रीय मुख्य श्रम आयुक्त के कार्यालय को भी श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

एमएसएमई को ऋण देने में उदारता दिखाए बैंकिंग क्षेत्र : वित्त मंत्री

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बैंकिंग क्षेत्र से सूक्ष्म, लघु एवं मंझोले उद्योगों (एमएसएमई) को ऋण देने में उदारता बरतने और सहयोगी रवैया अपनाने का आह्वान किया है। उद्योग मंडल एसोचैम द्वारा बुधवार को आयोजित दो दिवसीय 'उत्तर प्रदेश एमएसएमई सम्मेलन' में खन्ना ने यह बात कही। वित्त मंत्री ने बैंकिंग क्षेत्र से आह्वान किया कि वे एमएसएमई को ऋण देने में उदारता बरतें और सहयोगात्मक रवैया अपनाएं। उन्होंने कहा, '' सभी बैंक और अन्य वित्तीय संस्थाएं उनके द्वारा दिए जाने वाले कर्ज की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही ऋण देने में उदारता भी बरतें। कोशिश करें कि 'सीडी रेशियो' (ऋण-जमा अनुपात) बढ़ायें। यह जितना बढ़ेगा हमारे एमएसएमई अपने उद्योगों को उतना ही बढ़ावा दे पाएंगे।'' उन्होंने कहा, ''मेरा विनम्र अनुरोध है कि अगर बैंकिंग क्षेत्र का रवैया सहयोगात्मक होगा तो चीजें बेहतर होंगी। हम क्रय शक्ति बढ़ाना चाहते हैं ताकि अर्थव्यवस्था बेहतर तरीके से चले। हमने आत्मनिर्भर भारत का संकल्प किया है। हर भारतीय का सपना होना चाहिए कि हम हर तरह से आत्मनिर्भर बनें।'' इस अवसर पर एसोचैम और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर भी किए।

नए आपराधिक कानूनों के प्रमुख बिंदु : जीरो प्राथमिकी, ऑनलाइन पुलिस शिकायत, अपराध स्थल की वीडियोग्राफी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। 'जीरो' प्राथमिकी, पुलिस में ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराना, इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से समन और सभी जघन्य अपराधों के अपराध दृश्यों की अनिवार्य वीडियोग्राफी तीन नए आपराधिक कानूनों की प्रमुख बातें हैं जो एक जुलाई से लागू होंगे।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 भारतीय नागरिकों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इसका उद्देश्य सभी के लिए अधिक सुलभ, सहायक और प्रभावी न्याय प्रणाली सुनिश्चित करना है। पिछले साल पारित ये नए कानून ब्रिटिश काल के क्रमश: भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम का स्थान लेंगे। नए कानूनों के तहत अब कोई भी व्यक्ति पुलिस थाने जाए बिना इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यम से घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज करा सकता है। इससे मामला दर्ज कराना आसान और तेज हो जाएगा तथा पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई की जा सकेगी।

'जीरो' प्राथमिकी से अब कोई भी व्यक्ति किसी भी पुलिस थाने में प्रथम सूचना रिपोर्ट (प्राथमिकी) दर्ज करा सकता है चाहे अपराध उसके अधिकार क्षेत्र में न हुआ हो। इससे कानूनी कार्यवाही शुरू करने में होने वाली देरी खत्म होगी और अपराध की शिकायत तुरंत दर्ज की जा सकेगी। नए कानूनों के तहत पीड़ितों को प्राथमिकी की एक निशुल्क प्रति दी जाएगी जिससे कानूनी प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित होगी। नए कानून में जुड़ा एक दिलचस्प पहलू यह भी है कि गिरफ्तारी की सूरत में व्यक्ति को अपनी पसंद के किसी व्यक्ति को अपनी स्थिति के बारे में सूचित करने का अधिकार दिया गया है। इससे गिरफ्तार व्यक्ति को तुरंत सहयोग मिल सकेगा। इसके अलावा गिरफ्तारी विवरण पुलिस थानों और जिला मुख्यालयों में प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा जिससे कि गिरफ्तार व्यक्ति के परिवार और मित्र महत्वपूर्ण सूचना आसानी से पा सकेंगे। मामले तथा जांच को मजबूत करने के लिए फॉरेंसिक विशेषज्ञों का गंभीर अपराधों के लिए अपराध स्थल पर जाना और सबूत एकत्रित करना अनिवार्य बना दिया गया है।

तेलंगाना : अनार तोड़ने के आरोप में लड़के को रस्सी से बांधकर पीटा गया

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के हैदराबाद जिले के बाहरी इलाके में एक व्यक्ति ने 14 वर्षीय दलित लड़के की, उसके घर से अनार तोड़ने के आरोप में रस्सी से बांध कर पिटाई की। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना 22 जून को शाबाद मंडल के केसाराम गांव में हुई थी। अनुसूचित जाति समुदाय से संबद्ध पीड़ित पेड़ से अनार तोड़ने के लिए उस व्यक्ति के घर की चारदीवारी फांद कर अंदर गया था। उनके मुताबिक, घर के मालिक ने लड़के को पकड़ लिया और कथित तौर पर रस्सी से उसके हाथ-पैर बांध कर उसकी पिटाई की। घर का मालिक एक सरकारी स्कूल का सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक है। सोशल मीडिया पर इस कथित घटना की एक तस्वीर भी आई, जिसमें लड़का जमीन पर पड़ा हुआ नजर आ रहा है। पीड़ित की मां द्वारा 24 जून को दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर घर के मालिक और उसके बेटे के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दूसरे दिन ही समाप्त हुई नीलामी, 11,340.78 करोड़ रुपये में सिर्फ 141.4 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम बिका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार स्पेक्ट्रम के आवंटन के लिए आयोजित नीलामी में 11,340.78 करोड़ रुपये मूल्य के 141.4 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम की ही बिक्री हो पाई। भारती एयरटेल स्पेक्ट्रम खरीद में सबसे आगे रही। उसने 6,856.76 करोड़ रुपये का स्पेक्ट्रम खरीदा। स्पेक्ट्रम नीलामी दूसरे दिन बुधवार को बोली शुरू होने के कुछ घंटों के भीतर ही समाप्त हो गई। इसके पहले मंगलवार को नीलामी के पहले दिन पांच दौर में बोलियां लगाई गई थीं।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस नीलामी में रिलायंस जियो ने 973.62 करोड़ रुपये का स्पेक्ट्रम हासिल किया, जबकि वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) ने लगभग 3,510.4 करोड़ रुपये मूल्य के स्पेक्ट्रम के लिए बोली लगाई। कुल मिलाकर, इस स्पेक्ट्रम नीलामी से सरकार को कुल 11,340.78 करोड़ रुपये मिले। यह सरकार द्वारा बिक्री के लिए रखे गए स्पेक्ट्रम के अनुमानित मूल्य 96,238 करोड़ रुपये का सिर्फ 12 प्रतिशत है। पिछली स्पेक्ट्रम नीलामी दो साल पहले हुई थी जिसमें रिकॉर्ड 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक के 5जी स्पेक्ट्रम की बिक्री हुई थी। सात दिन तक चली नीलामी में रिलायंस जियो शीर्ष बोलीदाता के रूप में उभरी थी। उसने सभी रेडिया तरंगों का करीब आधा हिस्सा (88,078 करोड़ रुपये मूल्य) हासिल किया था। उस समय दूरसंचार क्षेत्र के दिग्गज सुनील मित्तल की भारती एयरटेल ने 43,084 करोड़ रुपये की सफल बोली लगाई थी, जबकि वोडाफोन-आइडिया ने 18,799 करोड़ रुपये में स्पेक्ट्रम खरीदा था।

हालांकि, ताजा नीलामी में बाजी भारती एयरटेल ने मारी है और वह अग्रणी बोलीदाता बनकर उभरी है। भारती एयरटेल ने बुधवार को संपन्न हुई स्पेक्ट्रम नीलामी में 6,856.76 करोड़ रुपये में 97 मेगाहर्ट्ज रेडियो तरंगों को खरीदा है। यह नीलामी में बिके कुल स्पेक्ट्रम का 60 प्रतिशत है।

भारती एयरटेल के बयान के मुताबिक, नीलामी के जरिये 900 मेगाहर्ट्ज, 1,800 मेगाहर्ट्ज और 2,100 मेगाहर्ट्ज बैंड में 97 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम हासिल किया गया है।

इस खरीद के साथ भारती एयरटेल देश में 'मध्यम-बैंड स्पेक्ट्रम पूल' में सबसे बड़ी हिस्सेदारी बनाए रखेगी।

मध्य प्रदेश में युवक को नंगा करके पीटा गया, तीन आरोपी गिरफ्तार

छतरपुर (मध्य प्रदेश)/भाषा। मध्य प्रदेश के छतरपुर शहर में एक दलित युवक को नंगा कर बुरी तरह पीटने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। सूत्रों के अनुसार, तीन-चार दिन पहले हुई इस घटना का कोई कारण नहीं बताया गया है।

बुधवार को सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में, दो लोग पीड़ित के कपड़े उतारते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिसके सिर से खून बह रहा था। वीडियो में आरोपी उसे बेल्ट और देशी पिस्तौल की बट से मार रहे थे, जबकि एक अन्य व्यक्ति इसकी वीडियो रिकॉर्डिंग कर रहा था। वीडियो में आरोपी को गाली देते हुए और पीड़ित से उसके पुलिसकर्मी रिश्तेदार को बुलाने के लिए कहते हुए सुना जा सकता है। बाद में, आरोपी ने पीड़ित को नंगा करके भगा दिया। छतरपुर के पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने संवाददाताओं को बताया कि पीड़ित रात में घर जा रहा था, तभी आरोपी उसे रोककर कोतवाली थाने की सीमा में ले गया। अधिकारी ने बताया कि वीडियो का संज्ञान लेते हुए तत्काल कार्रवाई की गई और तीनों आरोपियों - देवा उर्फ देवेंद्र ठाकुर, लकी घोषी और अन्नू घोषी को गिरफ्तार कर लिया गया।

उत्तराखंड के हरिद्वार में नाबालिग की दुष्कर्म के बाद हत्या, हरिद्वार राजमार्ग पर शव बरामद

हरिद्वार/भाषा। उत्तराखंड के हरिद्वार में तीन दिन पहले लापता हुई 13 साल की लड़की का शव बहादराबाद क्षेत्र में पतंजलि रिसर्च सेंटर के पास राजमार्ग से बरामद हुआ है जबकि मृतक की मां ने भाजपा के एक स्थानीय कार्यकर्ता और उसके सहयोगी पर सामूहिक दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या करने का आरोप लगाया है।

पुलिस ने बुधवार को यहां बताया कि मृतका की मां की तहरीर के आधार पर शांतरशाह गांव की प्रधान के पति आदित्यराज सैनी और उसके सहयोगी अमित सैनी के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म, हत्या और अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले में जांच शुरू कर दी गयी है।

व्यापार घाटा कम होने, धन प्रेषण बढ़ने से चालू खाता अधिशेष में मदद मिली: क्रिसिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

व्यापार घाटा कम होने, धन प्रेषण बढ़ने से चालू खाता अधिशेष में मदद मिली: क्रिसिल

कोलकाता/भाषा। पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में वस्तुओं के व्यापार घाटे में कमी, विदेशों से धनप्रेषण में वृद्धि और सेवा व्यापार में अधिशेष से देश का चालू खाता अधिशेष की स्थिति में रहा। क्रिसिल ने बुधवार को एक रिपोर्ट में यह बात कही।

हाल ही में प्रकाशित आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी-मार्च, 2024 की अवधि में देश के चालू खाते में 5.7 अरब डॉलर का अधिशेष रहा, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 0.6 प्रतिशत है।

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में चालू खाता 8.7 अरब डॉलर के घाटे में था, जो जीडीपी का एक प्रतिशत है।

वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में देश का चालू खाता भी 1.3 अरब डॉलर के घाटे में था, जो जीडीपी का 0.2 प्रतिशत है।

रिपोर्ट के मुताबिक, बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में चालू खाता अधिशेष सुधार के साथ जीडीपी का 0.6 प्रतिशत हो जाना तीनों मोर्चों पर सुधार दिखाता है। इसका मतलब है कि वस्तु व्यापार घाटा कम हुआ, सेवा व्यापार अधिशेष बढ़ा और विदेश से धनप्रेषण भी बढ़ा।

सदन का स्वरूप बदल गया है, भाजपा अब प्रभुत्व नहीं जमा पाएगी: ओवैसी ने लोकसभा में कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को कहा कि इस लोकसभा में सदन का स्वरूप बदल गया है और अब सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रभुत्व नहीं जमा पाएगी।

लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने पर ओम बिरला को बधाई देते हुए ओवैसी ने कहा कि सदन में छोटे दलों को भी पर्याप्त अवसर मिलने चाहिए। उन्होंने बिरला से कहा, ''आप सदन के संरक्षक हैं। हकीकत यह है कि इस बार सरकार के पास संख्या है लेकिन जनादेश नहीं है, विपक्ष के पास जनता का समर्थन है।''

ओवैसी ने कहा, ''इसलिए छोटे दलों को पर्याप्त मौका दिया जाए। मैं उस समुदाय से आता हूं जिसके इस सदन में केवल 4 प्रतिशत सदस्य हैं। उन्हें मौका दिया जाए।'' उन्होंने कहा, ''इस बार सदन का स्वरूप बदल गया है। भाजपा अब

प्रभुत्व नहीं जमा पाएगी।''

एआईएमआईएम सांसद ने यह भी कहा कि इस बार सरकार को लोकसभा उपाध्यक्ष का निर्वाचन करना चाहिए ताकि लोकसभा अध्यक्ष के काम का बोझ कम हो जाए।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के नव निर्वाचित सदस्य आगा सैयद रुहुल्ला मेहदी ने कहा कि आज से बिरला किसी पार्टी के नहीं हैं और उनकी पार्टी केवल भारत का संविधान है।

मेहदी ने कहा, ''आपको इसलिए भी याद रखा जाएगा कि किस तरह इस सदन में एक मुस्लिम सांसद को आतंकवादी कहा गया....क्योंकि वह मुसलमान है। आपने ऐसी आवाजों को शांत कराया या उठने दिया।''

अध्यक्ष बिरला ने मेहदी से कहा कि यह सदन का पहला दिन है और उन्हें सोच-समझकर अपनी बात रखनी चाहिए।

बिरला ने मेहदी के इन दावों को भी खारिज कर दिया कि अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त करने वाला विधेयक सदन में जल्दबाजी में पारित किया गया था।

बिरला ने कहा कि विधेयक को पारित करने से पहले नौ घंटे से अधिक समय तक चर्चा हुई थी।

तुंगा सफाई

बुधवार को बेंगलूरु में विधानसौधा में मुख्यमंत्री सिद्दरामैया से अभिनेता अनिरुद्ध ने मुलाकात की। उन्होंने तुंगा नदी के पानी की सफाई को लेकर एक याचिका मुख्यमंत्री को दी। मुख्यमंत्री ने सिंचाई निगम के एमडी राजेश से फोन पर संपर्क किया और उन्हें तत्काल तुंगा नदी की सफाई पर ध्यान देने का निर्देश दिया।

जुलाई के दूसरे सप्ताह में यलहंका गैस पावर प्लांट का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्य का पहला गैस–आधारित 370 मेगावाट क्षमता वाला 'येलहंका कंबाइंड साइकिल पावर प्लांट' (सीसीपीपी), जो हमारे ऊर्जा बुनियादी ढांचे में एक अद्वितीय और महत्वपूर्ण वृद्धि है, जुलाई के दूसरे सप्ताह में यलहंका के पास चालू होने वाला है। बुधवार को बेलाकू भवन में ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज की अध्यक्षता में हुई प्रगति समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया कि मुख्यमंत्री सिद्दरामैया प्लांट का उद्घाटन करेंगे। केपीसीएल द्वारा स्थापित यह प्लांट गैस टर्बाइन जनरेटर के माध्यम से 236.825 मेगावाट और स्टीम टर्बाइन जनरेटर के माध्यम से 133.225 मेगावाट बिजली पैदा करेगा, जो कुल मिलाकर 370.05 मेगावाट होगा। कंबाइंड साइकिल पायलट उत्पादन प्रक्रिया पहले ही पूरी हो चुकी है।

ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज ने परियोजना के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह हमारी सरकार और केपीसीएल के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना है। यह गर्व की बात है कि राज्य में पहली बार कोई सरकारी संगठन गैस आधारित बिजली का उत्पादन कर रहा है। जुलाई के दूसरे सप्ताह में उद्घाटन सुनिश्चित करने के लिए सभी तैयारी कार्य तेजी से पूरे किए जाने चाहिए। परियोजना के इतिहास पर विचार करते हुए ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज ने कहा, 2016 में मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने येलहंका कंबाइंड साइकिल पावर प्लांट की आधारशिला रखी थी। अब, सभी कार्य पूरे होने के बाद, वे इसका उद्घाटन करेंगे, जो बिजली उत्पादन के लिए हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। उनकी दूरदर्शिता और नेतृत्व ने इस परियोजना को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बैठक में ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता, केपीटीसीएल के प्रबंध निदेशक पंकज कुमार पांडे, केपीसीएल के वित्त निदेशक आर. नागराज, तकनीकी निदेशक सीएम दिवाकर और अन्य महत्वपूर्ण हितधारकों सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, जिन्होंने इस पहल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बिड़दी में कचरे से बिजली बनाने वाला प्लांट जुलाई 2024 में चालू हो जाएगा।

ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज ने बिड़दी में कचरे से बिजली बनाने वाली परियोजना की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने घोषणा की कि इस बिजली उत्पादन इकाई का उद्घाटन जुलाई के अंतिम सप्ताह में किया जाएगा। केपीसीएल और बीबीएमपी द्वारा 260 करोड़ रुपये के निवेश से शुरू की गई यह परियोजना 600 टन कचरे को संसाधित करने और 11.5 मेगावाट बिजली पैदा करने के लिए बनाई गई है। यह सहयोगात्मक पहल टिकाऊ कचरा प्रबंधन और ऊर्जा उत्पादन के प्रति हमारी साझा जिम्मेदारी को रेखांकित करती है। अधिकांश काम पूरा हो चुका है और मंत्री ने अधिकारियों को बिजली उत्पादन परीक्षण शुरू करने और उद्घाटन की तैयारी करने का निर्देश दिया।

मंत्री जॉर्ज ने कहा, इस समय सूखे कचरे का उपयोग करके बिजली बनाई जा रही है। चालू होने के बाद बिजली उत्पादन इकाई कुछ हद तक कचरे के निपटान की समस्या को हल करने में भी मदद करेगी।

दूध के दाम नहीं बढ़े, पैकेट में मात्रा बढ़ाने की वजह से अतिरिक्त कीमत ली जा रही है : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने बुधवार को 'नंदिनी' दूध की कीमतों में दो रुपये की बढ़ोतरी का बचाव करते हुए कहा कि दूध की बढ़ती खरीद के मद्देनजर किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए ऐसा किया गया है। उन्होंने दोहराया कि दूध की कीमतों में बढ़ोतरी नहीं की गई है।

सिद्दरामैया ने यहां संवाददाताओं से कहा, पिछले साल इसी समय के दौरान दूध (उत्पादन) 90 लाख लीटर (प्रतिदिन) था, अब यह 99 लाख लीटर से अधिक है। हमें किसानों से दूध खरीदना है, हम उन्हें मना नहीं कर सकते, दूध का उत्पादन होता है और इसे बाजार में बेचना होता है। इसलिए हमने आधा लीटर दूध के पैकेट की मात्रा 50 मिलीलीटर बढ़ा दी है।''

उन्होंने कहा, मात्रा बढ़ा दी गई है और बढ़ी हुई मात्रा के अनुपात में कीमत भी बढ़ा दी गई है। आधे और एक लीटर के पैकेट में बढ़ाए गए 50 मिलीलीटर दूध की कीमत 2.10 रुपये बैठती है और हमने केवल दो रुपये बढ़ाए हैं। हमने दूध की कीमत कहां बढ़ाई है? क्या हम उत्पादित दूध को फेंक सकते हैं? क्या हम किसानों से कह सकते हैं कि हम उनसे दूध नहीं खरीदेंगे?'' जब उनसे कहा गया कि कथित तौर पर रेस्तरां क्या कॉफी और चाय की कीमतें बढ़ाने की योजना बना रहे हैं, तो मुख्यमंत्री ने कहा, वे कैसे बढ़ाएंगे, वे तब बढ़ा सकते हैं जब दूध की कीमतें बढ़ेंगी।'' दूध की कीमतों में बढ़ोतरी ईंधन के दामों में वृद्धि के बाद हुई है। ऐसे में विपक्षीय भाजपा सरकार पर हमलावर है।

उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य किसानों को लाभ पहुंचाना है और कीमतों में और वृद्धि होनी चाहिए थी। उन्होंने कहा, इससे पता चलता है कि भाजपा किसान विरोधी है। बढ़ी हुई राशि उन किसानों को मिलेगी जो संकट में हैं। केएमएफ (कर्नाटक मिल्क फेडरेशन) एक किसान संगठन है, यह किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए है।'' उन्होंने कहा, मेरे हिसाब से कीमतों में और बढ़ोतरी होनी चाहिए थी...किसान संकट में हैं, वे अपने मवेशियों को बेच रहे हैं, उनकी देखभाल करने में असमर्थ हैं।''

उन्होंने कहा कि भाजपा को किसानों के लाभ के लिए कीमतों में बढ़ोतरी की मांग करनी चाहिए थी। उन्होंने पार्टी से अन्य राज्यों में दूध की कीमतों की तुलना करने को कहा।

कर्नाटक के मुकाबले अन्य राज्यों में दूध की कीमतें अधिक : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दूध की कीमतों को लेकर कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि अन्य राज्यों के मुकाबले आज भी कर्नाटक में दूध की कीमतें कम हैं, और दाम और बढ़ाये जाने चाहिए थे।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) का फैसला किसानों के हित में है। दूसरे राज्यों में दूध की कीमतें कर्नाटक से ज्यादा हैं। केएमएफ को भी अपना अस्तित्व बचाए रखना है। यह (केएमएफ) किसानों का है। कीमतों में और बढ़ोतरी होनी चाहिए थी, क्योंकि हम दूसरे राज्यों की तुलना में इसे कम कीमत पर बेच रहे हैं। अमूल दूध की कीमत प्रति लीटर क्या है? दूसरे राज्यों में दूध की कीमत क्या है? उन्हें हमारे राज्य की कीमतों की तुलना दूसरे राज्यों से करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दूध की कीमतों में संशोधन का विरोध करके भाजपा नेताओं का असली चेहरा सामने आ गया है, क्योंकि वे किसानों के खिलाफ हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, एक किसान का बेटा होने के नाते मैं जानता हूं कि यह कितना मुश्किल है। केएमएफ को एक लीटर दूध पर 10 रुपये से ज्यादा का नुकसान हो रहा है और एक बार तीन रुपये और अब दो रुपये बढ़ाने के बाद भी यह किसानों के हित में है। दो रुपये कोई बड़ी रकम नहीं है। भाजपा के विरोध के बारे में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें विरोध करने दीजिए, लेकिन साथ ही किसानों की स्थिति के बारे में भी पूछना चाहिए।

उन्होंने कहा, ''किसान गाय बेच रहे हैं क्योंकि वे उनकी देखभाल नहीं कर पा रहे हैं। हमारे विधायक कह रहे हैं कि पहले वे अच्छी संख्या में गाय पालते थे, लेकिन अब उनकी संख्या कम हो गई है। विपक्ष को विरोध करने की बजाय दूध की कीमतों में वृद्धि की मांग करनी चाहिए थी।''

नशा मुक्त कर्नाटक का निर्माण हो : डॉ. परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु: गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि राज्य सरकार ने नशा मुक्त कर्नाटक के निर्माण की घोषणा की है। नशा मुक्ति एवं मानव तस्करी के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय दिवस के कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि गृह विभाग ने नशे के खिलाफ पूरी तरह से युद्ध की घोषणा कर दी है। राज्य में छापों के दौरान 40 करोड़ रुपए की मादक दवाएं नष्ट कर दी गई है। वहीं 10 टन गांजा जलाया गया है। उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि अगर इतनी मात्रा में मादक दवाएं युवाओं के हाथ में होतीं तो कितने परिवार बर्बाद हो जाते। उन्होंने सभी को नशे से दूर रहने का संकल्प लेना चाहिए का अनुरोध किया, आईटी कंपनियां, उद्योग नशे पर नियंत्रण के लिए सहयोग करें। हत्या के मामलों की जांच के दौरान यह बात सामने आ रही है कि इसमें 17 से 20 साल के बच्चे शामिल हैं, जब अपराधियों की जांच की गई तो वे नशे के आदी पाए गए।

नशा समाज के लिए खतरा है

उन्होंने कहा कि नशा समाज के लिए खतरा है, माता–पिता को अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए, विभाग के अधिकारियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में अधिक जागरूकता पैदा करने में सक्रिय होना चाहिए। आज पूरे विश्व में नशा एक आधुनिक अभिशाप है, यह युवा समुदाय को बर्बाद कर रहा है, यह एक बड़ी बीमारी के रूप में समाज से चिपक रहा है, युवा पीढ़ी परेशानी में न पड़े इसके लिए जागरूकता पैदा की जानी चाहिए। नशे की समस्या को समझते हुए संयुक्त राष्ट्र ने 1987 में 26 जून को नशा विरोधी दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि भारत नशे की समस्या में फंसता जा रहा है, 5 करोड़ लोग नशे के आदी हैं, अगर युवा भटक गए तो देश संकट में पड़ जाएगा।

दीवार ढहने से एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मगलूरु। कुट्टारु मदनीनगर गांव में एक घर पर पड़ोस के मकान की दीवार गिरने से एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंगलवार रात हुई भारी बारिश के कारण सुबह करीब साढ़े छह बजे एक मकान की दीवार ढह गई। जिस मकान पर दीवार गिरी वह यासिर का था। स्थानीय लोगों के अनुसार, दीवार को लेकर यासिर और उसके पड़ोसी के बीच विवाद था। दीवार यासिर के घर के बेहद करीब बनी हुई थी।

घटना के बाद बचावकर्मी मौके पर पहुंचे और मलबे से शवों को निकाला गया। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

बेंगलूरु में बुधवार को अल्पसंख्यक विधायकों ने मुख्यमंत्री आवास 'कावेरी' में मुख्यमंत्री सिद्दरामैया से मुलाकात की।

'तीन मुख्यमंत्री फार्मूले पर कांग्रेस आलाकमान का फैसला अंतिम'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में तीन और उपमुख्यमंत्रियों की मांग के बीच मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने बुधवार को कहा कि इस पर कांग्रेस आलाकमान का फैसला अंतिम है। दरअसल, राज्य के कुछ मंत्री वीरशैव–लिंगायत, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक समुदायों के नेताओं को उपमुख्यमंत्री पद दिए जाने की वकालत कर रहे हैं। वर्तमान में डीके शिवकुमार उपमुख्यमंत्री हैं और वोक्कालिगा समुदाय से हैं।

एक प्रश्न के उत्तर में सिद्दरामैया ने संवाददाताओं से कहा, ''आलाकमान जो भी फैसला लेता है, वह अंतिम है।'' कांग्रेस के भीतर

एक वर्ग का मानना है कि तीन और उपमुख्यमंत्री बनाये जाने की मांग संबंधी मंत्रियों के बयान सिद्दरामैया खेमे की (खास) योजना का हिस्सा है और उसका मकसद शिवकुमार को काबू में रखना है। ऐसी चर्चा है कि शिवकुमार सरकार के ढाई साल के कार्यकाल के बाद मुख्यमंत्री पद की मांग कर सकते हैं।

सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना, आवास मंत्री बी जेड ज़मीर अहमद खान, लोक निर्माण मंत्री सतीश जरकीहोली और कुछ अन्य नेताओं ने इस सप्ताह की शुरुआत में एक बार फिर तीन और उपमुख्यमंत्रियों की मांग की थी। इन्हें सिद्दरामैया का करीबी माना जाता है। पिछले साल मई में विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए शिवकुमार और सिद्दरामैया के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा के मद्देनजर कांग्रेस ने फैसला किया था कि शिवकुमार 'एकमात्र' उपमुख्यमंत्री होंगे।

मंत्रियों की मांग पर नाराजगी जाहिर करते हुए शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि पार्टी इसका उचित जवाब देगी। शिवकुमार कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष भी हैं। शिवकुमार ने कहा, ''अगर कोई कुछ कहता है तो आपलोग (मीडिया) उसे खबर बना देते हैं। कोई कुछ भी मांग करे पार्टी उसका उचित जवाब देगी...।''

प्रज्ज्वल रेवन्ना की जमानत याचिका खारिज की

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । बेंगलूरु की एक अदालत ने कई मामलों में दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे जनता दल–सेक्युलर (जद–एस) के पूर्व सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना की जमानत याचिका बुधवार को खारिज कर दी। अतिरिक्त नगर दीवानी एवं सत्र न्यायालय के न्यायाधीश ने सोमवार को याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था और बुधवार को जमानत याचिका खारिज करते हुए आदेश पारित किया। प्रज्ज्वल (33) फिलहाल विशेष जांच दल (एसआईटी) की हिरासत में हैं। एसआईटी प्रज्ज्वल पर लगे यौन अपराधों के आरोपों की जांच कर रही है।

रेवन्ना को सोमवार को आठ जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेजा गया था लेकिन एक दिन बाद ही मजिस्ट्रेट अदालत के न्यायाधीश ने उन्हें 29 जून तक एसआईटी की हिरासत में भेज दिया। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते के खिलाफ चार अलग–अलग मुकदमे दर्ज किए गए हैं, जिनकी जांच एसआईटी कर रही है। रेवन्ना हाल ही में हुए चुनाव में हासन संसदीय क्षेत्र से जीत दर्ज करने में नाकाम रहे।

रेवन्ना ने होलेनरसिपुरा टाउन थाने में दर्ज मुकदमे के सिलसिले में जमानत का अनुरोध किया था। इस मुकदमे में रेवन्ना पर 47 वर्षीय पूर्व घरेलू सहायिका के यौन उत्पीड़न का आरोप है। इस मुकदमे में रेवन्ना के पिता और स्थानीय विधायक एचडी रेवन्ना मुख्य आरोपी हैं जबकि पूर्व सांसद को दूसरे नंबर का आरोपी बनाया गया है। यौन शोषण से जुड़े मामले ऐसे समय में सामने आए थे, जब लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में 26 अप्रैल को हासन में मतदान होना था। प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ मामले दर्ज होने के बाद जद–एस ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया था।

मैंने सुझाव दिया था कि राहुल गांधी को लोकसभा में विपक्ष का नेता होना चाहिए : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद संभालने पर बधाई देते हुए कहा कि हाल ही में उन्होंने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में एक प्रस्ताव पेश कर उनसे यह भूमिका निभाने का आग्रह किया था। कांग्रेस अध्यक्ष एम. मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर कल रात इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के नेताओं की बैठक के तुरंत बाद राहुल गांधी के विपक्ष के नेता के रूप में नियुक्ति की घोषणा की गई।

सिद्दरामैया ने कहा, कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में मैंने प्रस्ताव पेश करते हुए यह सुझाव दिया था और प्रस्ताव पेश किया था कि राहुल गांधी को विपक्ष के नेता का पद स्वीकार कर लेना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सामना करने के लिए मैंने आग्रह किया था कि आपको (राहुल गांधी) विपक्ष का नेता बनना चाहिए और कार्यसमिति और अन्य लोगों ने भी ऐसा ही कहा था। राहुल गांधी द्वारा यह जिम्मेदारी स्वीकार करना देश के हित में अच्छा है।

मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैं उन्हें यह जिम्मेदारी संभालने के लिए तहे दिल से बधाई देता हूं। उप मुख्यमंत्री और कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने कहा कि यह लोगों की इच्छा और पार्टी कार्यकर्ताओं की मांग थी कि राहुल गांधी इस जिम्मेदारी को स्वीकार करें। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी और 'इंडि' गठबंधन मजबूत होगा।

शिवकुमार ने आगे कहा, विपक्षी गठबंधन (इंडिया) और देश के लोगों की ओर से मैं राहुल गांधी को हमारी मांग स्वीकार करने के लिए बधाई देना चाहता हूं। यह उनकी इच्छा नहीं है, यह देश की जनता की इच्छा है। उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है। मैं सोनिया गांधी और अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को यह साहसिक निर्णय लेने और उन पर (राहुल पर) यह जिम्मेदारी स्वीकार करने के लिए जोर देने के लिए बधाई देना चाहता हूं।

बैठक

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने बुधवार को विधानसौधा समिति कक्ष में कर्नाटक खान पर्यावरण पुनर्वास निगम की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में उप मुख्य सचिव एवं विकास आयुक्त डॉ. शालिनी रजनीश, उप मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एल.के. अतीक, सचिव डॉ. केवी त्रिलोकचंद्र और मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नसीर अहमद सहित वरिष्ठ सरकारी अधिकारी उपस्थित थे।

रेलवे ने मिलेनियम एक्सप्रेस में हुई घातक दुर्घटना पर खेद व्यक्त किया

चेन्नई/दक्षिण भारत। दक्षिण रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी एम. सेंथमिल सेल्वन ने एक विज्ञप्ति में बताया कि भारतीय रेलवे को यह बताते हुए गहरा दुख हो रहा है कि एक यात्री अली खान (60) की गत 18 जून को दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से मृत्यु हो गई। वे 15 जून को यात्रा के दौरान एक दुर्घटना में घायल हो गए थे, जिसके बाद वे उपचार के लिए जा रहे थे। श्री अली खान ट्रेन संख्या 12645 एर्नाकुलम – हज़रत निज़ामुद्दीन मिलेनियम एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे थे और इनर लोअर बर्थ संख्या एस6/57 पर बैठे थे। जब ट्रेन रामागुंडम स्टेशन (तेलंगाना) के पास पहुँच रही थी, तो बीच की बर्थ खुल गई और खान, जो लोअर बर्थ (एस6 पर 57) पर बैठे थे, को लगी, जिससे वे घायल हो गए।

रामागुंडम स्टेशन के ऑन–ड्यूटी स्टेशन मास्टर को सूचित करने के लिए तत्काल कार्रवाई की गई और 108 एम्बुलेंस के माध्यम से सहायता की व्यवस्था की गई। ट्रेन को रामागुंडम में एक अनिर्धारित स्टॉपेज पर रोका गया, और यात्री को कोच से एम्बुलेंस में स्थानांतरित किया गया और रामागुंडम के नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

युवती के शादी से इंकार करने पर युवक ने उसके घर पर की गोलीबारी, गिरफ्तार

मलप्पुरम/दक्षिण भारत। केरल के मलप्पुरम जिले में युवती के शादी से इंकार करने पर गुस्साए मंगेतर ने उसके घर पर गोलीबारी की। पुलिस ने बताया कि यह घटना मंगलवार की रात को समीपवर्ती कोट्टाकल में हुई। उसने बताया कि आरोपी की पहचान अबू ताहिर के रूप में हुई है। उसे युवती के घर पर एयर गन से गोलियां चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को उसे हिरासत में लिया गया था।

प्रत्येक बालक को गुणवत्तायुक्त शिक्षा से जोड़ें : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि प्रवेशोत्सव को गंभीरता से लेकर प्रदेश के प्रत्येक बालक को गुणवत्तायुक्त शिक्षा से जोड़ना सुनिश्चित करें। दिलावर बुधवार को शिक्षा संकुल में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संभाग, जिला, ब्लॉक एवं पंचायतस्तरीय शिक्षा विभाग के अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रवेशोत्सव के दौरान नामांकित बच्चों का जोर–शोर से स्वागत कर उत्साहवर्द्धन करें।

उन्होंने आरटीई के संबंध में प्राप्त शिकायतों का प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने, बोर्ड परीक्षा में छात्रों को सत्रांक देने में सावधानी बरतने, कक्षा में मोबाईल न ले जाने, गांव में रात्रि विश्राम करने, अध्यापकों को तैयारी के साथ कक्षा में जाने, प्रार्थना के दौरान निर्धारित कार्यक्रमों को जारी रखने, विद्यालय समय में किसी भी धार्मिक गतिविधि से दूर रहने, पट्टा विहीन विद्यालयों के लिए पट्टे जारी करवाने, विद्यालयों की सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा विद्यालय को प्राप्त सामग्री का वितरण समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पिछले वर्षों की तुलना में अच्छे परीक्षा परिणाम के लिए धन्यवाद दिया।

उन्होंन कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सभी विद्यालयों में खेल मैदान जरूरी है। खेल मैदानों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न हो तथा खेल मैदान रहित विद्यालयों के लिए मैदान आवंटित करवाने के लिए सार्थक प्रयास करें। उन्होंने वृक्षों की उपयोगिता एवं लाभ के बारे में विस्तार से बताया और अमृत पर्यावरण महोत्सव के दौरान विद्यालयों में नामांकित छात्रों को अपने परिवार के सदस्यों की संख्या के बराबर पौधे लगाने का लक्ष्य दिया। प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने के भी निर्देश दिए।

वीसी में शासन सचिव, स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल ने संवेदनशील रहकर दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्मार्ट क्लास रूम का अधिकतम उपयोग करने, आंगनवाड़ी के बच्चों को विद्यालय से जोड़ने तथा कम परीक्षा परिणाम वाले 25 विद्यालयों का जिलेवार चयन कर कारणों की समीक्षा करने के निर्देश दिए। राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त अविचल चतुर्वेदी ने समग्र शिक्षा अभियान की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, स्वामी विवेकानन्द राजकीय मॉडल विद्यालय तथा पीएम विद्यालयों के संचालन पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा। निदेशक, माध्यमिक शिक्षा आशीष मोदी ने प्रवेशोत्सव के दौरान डिजिटल एप के माध्यम से सर्वे के बारे में विस्तार से बताया एवं जनप्रतिनिधि एवं प्रशासन का सहयोग लेकर सर्वे में चिन्हित बालकों का विद्यालय में नामांकन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वीसी के दौरान प्रवेशोत्सव पोस्टर का विमोचन किया गया। पोस्टर में विद्यालय के श्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले चार टॉपर छात्रों के फोटो लगाकर प्रदर्शित किए जाएंगे।

वरिष्ठ छात्रों ने जूनियर छात्र से करवाई उठक-बैठक, गुर्दे में हुआ संक्रमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस प्रथम वर्ष के एक छात्र से कथित तौर पर 'रैगिंग' का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार पिछले महीने एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के सात छात्रों द्वारा कथित तौर पर रैगिंग किए जाने के बाद पीड़ित के गुर्दे में संक्रमण हो गया और उसे चार बार 'डायलिसिस' करवाना पड़ा। डूंगरपुर सदर थाने के थानाधिकारी गिरधारी सिंह ने बुधवार को बताया कि कथित रैगिंग की यह घटना 15 मई को हुई जब वरिष्ठ छात्रों ने पीड़ित को कॉलेज के पास एक जगह पर 300 से अधिक उठक–बैठक करवाई, इससे पीड़ित के गुर्दे पर गंभीर असर पड़ा और उसमें संक्रमण हो गया।

उन्होंने बताया कि पीड़ित एक सप्ताह तक अहमदाबाद के अस्पताल में भर्ती रहा और इस दौरान चार बार डायलिसिस किया गया, छात्र की हालत अब स्थिर है। थानाधिकारी ने बताया कि कॉलेज की 'एंटी–रैगिंग' कमेटी की जांच में दोषी पाए जाने के बाद कॉलेज प्रिंसिपल ने मंगलवार को सात आरोपी छात्रों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस के अनुसार पीड़ित ने पिछले साल सितंबर में कॉलेज में दाखिला लिया था।

उन्होंने कहा, उसने पहले भी वरिष्ठ छात्रों ने उसकी रैगिंग की थी, लेकिन उसने इसकी शिकायत नहीं की थी। हालांकि, ताजा घटना उस समय सामने आई जब 20 जून को कॉलेज प्रशासन को ऑनलाइन पोर्टल के जरिए शिकायत मिली, जिसके बाद जांच की गई। अहमदाबाद के एक अस्पताल में इलाज कराने के बाद छात्र लौटा और जून में फिर से कॉलेज में दाखिल हुआ। पुलिस के अनुसार सात छात्रों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है, इनकी पहचान देवेंद्र मीणा, अंकित यादव, रवींद्र कुलड़िया, सुरजीत कुमार, विष्णेंद्र धायल, सिद्धार्थ परिहार और अमन रागेरा के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि इन छात्रों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच की जा रही है।

भिवाड़ी में कारखाने में आग लगने से चार लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के खैरथल–तिजारा जिले के भिवाड़ी इलाके में कारखाने में आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस उपाधीक्षक (तिजारा) शिवराज सिंह ने बताया कि कारखाने में मंगलवार देर शाम आग लग गई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया लेकिन वहां धुआं होने के कारण दमकलकर्मी अंदर नहीं जा सके, देर रात कारखाने से तीन और शव बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि दो शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है वहीं दो शवों को घटनास्थल से निकालने की प्रक्रिया चल रही है। यह हादसा मंगलवार शाम खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में एक दवा कारखाने में हुआ। आग लगने के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। अधिकारी ने बताया कि घायलों का जिला अस्पताल में इलाज जारी है।

राजस्थान के नेताओं ने बिरला को लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित विभिन्न नेताओं ने बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने पर ओम बिरला को बधाई दी और इसे राजस्थान के लिए गौरव की बात बताया।

राज्यपाल मिश्र ने दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने पर बिरला को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह राजस्थान के लिए गौरव की बात है कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की सबसे बड़ी संवैधानिक सभा में राजस्थान के सांसद ओम बिरला लगातार दूसरी बार अध्यक्ष का पद संभालेंगे।

राजभवन के बयान के अनुसार, मिश्र ने कहा कि बिरला के मार्गदर्शन में लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी और भारत तेजी से विकास के नए आयाम स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'एक्स' पर लिखा,कोटा–बूंदी संसदीय क्षेत्र से सांसद ओम बिरला को 18वीं लोकसभा में पुनः लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

शर्मा ने कहा,मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके अनुभव, कर्मठता एवं लोकहित के प्रति समर्पण से सदन का गौरव उत्तरोत्तर बढ़ेगा और संसदीय मर्यादाओं का एक नूतन अध्याय रचा जाएगा जिससे राजस्थान का मान बढ़ेगा व भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने लिखा,राजस्थान परिवार की ओर से उज्वल कार्यकाल हेतु हार्दिक मंगलकामनाएं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद सीपी जोशी सहित अन्य नेताओं ने भी बिरला को बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। सांसद ओम बिरला को बुधवार को ध्वनिमत से लोकसभा अध्यक्ष चुन लिया गया। वह दूसरी बार यह उत्तरदायित्व संभाल रहे हैं।

बुजुर्ग की हत्या के आरोप में पुत्रवधु गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर के भुसावर थाना क्षेत्र में खानपुर में हुयी एक बुजुर्ग की हत्या के मामले में पुलिस ने मृतक की पुत्रवधु एवं उसके दो साथियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक रघुनाथ सिंह जाट घर से रिश्तेदारी में बिजवारी जाने की कह कर मोटरसाईकिल से निकला था, लेकिन 16 जून को खानपुर के खेतों में उसका शव पड़ा मिलने से गांव में सनसनी फैल गई थी।

पुलिस ने बताया कि मामले की गम्भीरता को देखते अज्ञात हत्यारों की गिरफ्तारी पर पुलिस ने पांच हजार का इनाम भी घोषित किया था। बाद में जांच के बाद पुलिस ने मृतक की पुत्र वधु पुष्पा और उसके दो साथी विक्रम उर्फ विक्की और भानुप्रताप सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि पुष्पा के विकम अवैध संबन्ध थे जिनकी कुछ दिनों पूर्व मृतक रघुनाथ को जानकारी हो गयी थी।. जिससे मृतक अपनी पुत्रवधु से नाराज था और उनके सम्बन्धों में बाधक बन रहा था। पुष्पा ने अपने प्रेमी विक्रम से अपने ससुर को ठिकाने लगाने को कहा जिस पर विक्रम ने अपने दोस्त भानु प्रतापसिंह को पुष्पा से अवैध सम्बन्ध बनाने का प्रलोभन देकर मृतक रघुनाथ की हत्या की साजिश में शामिल कर लिया।

पौधारोपण

डॉ. एस राधाकृष्णन शिक्षा संकुल परिसर में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बुधवार को वृक्षारोपण कर मानसून का स्वागत किया। इस अवसर पर शासन सचिव, स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल, राज्य परियोजना निदेशक अविचल चतुर्वेदी, निदेशक, माध्यमिक शिक्षा आशीष मोदी सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारियों ने भी वृक्षारोपण किया।

सैन्य स्टेशन में प्लास्टिक अपशिष्ट से बनी सड़क का उद्घाटन

जयपुर/दक्षिण भारत। जयपुर के सैन्य स्टेशन में प्लास्टिक कचरे से बनी पहली सड़क का बुधवार को उद्घाटन किया गया। सैन्य प्रवक्ता के अनुसार जयपुर सैन्य स्टेशन में सगत सिंह रोड अंडर ब्रिज से कब्स कॉर्नर कॉम्प्लेक्स तक 100 मीटर लंबी पहली 'प्लास्टिक वेस्ट' सड़क का उद्घाटन मेजर जनरल आरएस गोदारा ने किया। जयपुर सैन्य स्टेशन ऐसी सड़क बनाने वाला दूसरा मिलिट्री स्टेशन है। इससे पहले 2019 में नारंगी मिलिट्री स्टेशन में एक 'प्लास्टिक वेस्ट' सड़क बनाई गई थी। जन संपर्क अधिकारी कर्नल अमिताभ शर्मा के अनुसार मेजर जनरल गोदारा ने उद्घाटन के दौरान साइट पर एक पौधारोपण भी किया, जो विकास और प्रगति का प्रतीक है। भारतीय सेना की ग्रीन सैन्य स्टेशन बनाने की नीति के अनुरूप गैरिसन इंजीनियर (दक्षिण), चीफ इंजीनियर जयपुर जोन के तत्वावधान में सड़क का निर्माण किया गया है।

जालोर में एक व्यक्ति 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर/दक्षिण भारत। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने बुधवार को जालोर में एक व्यक्ति को 50 हजार रुपये की कथित रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। ब्यूरो के अनुसार गिरफ्तार व्यक्ति मुकेश कुमार सुन्देशा स्थानीय पत्रकार है। ब्यूरो के महानिदेशक डा. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि परिवादी ने शिकायत दी थी कि सरकारी काम में दलाली कर कमाई करवाने एवं अखबार में खबरें नहीं छापने की एवज में आरोपी मुकेश कुमार सुन्देशा (पत्रकार– मारवाड़ पत्रिका) द्वारा 50 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है। ब्यूरो की टीम ने बुधवार को जाल बिछाकर आरोपी को परिवादी से रिश्वत राशि लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से पूछताछ तथा उसके आवास एवं अन्य ठिकानों पर तलाशी जारी है।

अवैध संबंध के शक में युवक ने की पत्नी की गला रेत कर हत्या

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के भरतपुर में एक व्यक्ति ने मंगलवार रात अपनी पत्नी की कथित तौर पर गला रेत कर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। सेवर थाने के प्रभारी अनिल जसोरिया ने बताया कि घटना शहर की सैनिक कॉलोनी में हुई। आरोपी सतेंद्र कुमार ने मंगलवार रात अपनी पत्नी रजनी का उस वक्त गला रेत दिया जब वह सो रही थी। घटना के समय घर में बच्चे भी सो रहे थे। उन्होंने बताया कि आरोपी ने अपनी पत्नी की गर्दन और शरीर के अन्य हिस्सों पर चाकू से कई बार वार भी किए। पुलिस के अनुसार व्यक्ति को शक था कि उसकी पत्नी के किसी के साथ अवैध संबंध हैं। पुलिस ने बताया कि सतेंद्र ने पत्नी की हत्या के बाद थाने पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। दंपति की दो बेटियां और एक बेटा है।

केंद्रीय मंत्री शेखावत से भाजपा सांसदों ने की मुलाकात, कहा- हम जनसेवा के लिए हर परिस्थिति में एकजुट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के दिल्ली स्थित आवास पर बुधवार को राजस्थान के भाजपा सांसद पहुंचे। इस दौरान शेखावत ने कहा कि हम जनसेवा के लिए हर स्थिति–परिस्थिति में एकजुट रहते हैं।

शेखावत ने कहा कि देशभक्तों की भूमि राजस्थान से लोकसभा सदस्यों का मेरे दिल्ली आवास पर आना हुआ। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी का विशेष सानिध्य रहा। शेखावत ने कहा कि अपनों का स्वागत–सत्कार कर मुझे बहुत खुशी हुई। हम साथी–सहयोगी न मतभेद रखते और न मनभेद, हम जनसेवा के लिए हर स्थिति–परिस्थिति में एकजुट रहते हैं।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कोटा के सांसद ओम बिरला को निरंतर दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष निर्वाचित होने पर शुभकामनाएं दीं। शेखावत ने कहा कि बिरलाजी ने पिछले कार्यकाल में सदन की मर्यादा बनाए रखने में अपनी मुख्य भूमिका का तटस्थता से निर्वहन किया। उनके सरल व्यवहार से संसद सत्रों को अपेक्षित गति मिलती है। राज्यपाल कलराज मिश्र ने दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने पर ओम बिरला को बधाई और शुभकामनाएं दी है।

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि यह राजस्थान के लिए गौरव की बात है कि विश्व के सबसे लोकतंत्र वाले राष्ट्र की सबसे बड़ी संवैधानिक सभा में राजस्थान के सांसद ओम बिरला लगातार दूसरी बार अध्यक्ष का पद संभालेंगे। उन्होंने कहा कि बिरला के मार्गदर्शन में लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी और भारत तेजी से विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

'आपराधिक न्याय व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव साबित होंगे नए कानून'

डूंगरपुर/दक्षिण भारत। नवीन आपराधिक कानून की जानकारी के संबंध में जिला प्रशासन द्वारा जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह की अध्यक्षता एवं जिला पुलिस अधीक्षक मोनिका सेन के मुख्य आतिथ्य में बुधवार को संगोष्ठी का आयोजन किया गया। ईडीपी सभागार में आयोजित संगोष्ठी में जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने कहा कि समय के साथ बदलाव जरूरी है। तीन नए कानून भारत में अपराधों को नियंत्रित करने वाले और आपराधिक न्याय व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव के प्रतीक हैं। यह भारत में निष्पक्ष, कुशल और प्रभावी आपराधिक न्याय प्रणाली सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका मानव अधिकारों की सुरक्षा और कानून के शासन पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। 1 जुलाई, 2024 से नए आपराधिक कानून– भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम–2023 लागू होंगे।

जिला पुलिस अधीक्षक मोनिका सेन ने कहा कि न्याय प्रशासन व्यवस्था में पहले के कानून में दण्ड का महत्व अधिक था परन्तु अब नए आपराधिक कानून में न्याय पर अधिक जोर दिया है। मास्टर ट्रेनर अभियोजन अधिकारीगण मोहनलाल कटारा, कविश जैन एवं उप निदेशक अभियान कमल कुमार शुक्ला उपस्थित रहे।

राहुल गांधी उठाएंगे जनता के मुद्दे : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने नीट परीक्षा को केंद्र सरकार का सिस्टमैटिक फेलियर बताते हुए कहा है कि नीट परीक्षा से लाखों युवाओं को अपने भविष्य को लेकर सदमा लगा है। अपने आवास पर पायलट ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि कांग्रेस वर्किंग कमेटी का प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए सोनिया गांधी ने राहुल गांधी को नामांकित किया है। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी के नेता प्रतिपक्ष बनने से न केवल कांग्रेस से बल्कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं में बल्कि पूरा इंडिया अलाइंस में ऊर्जा का संचार हुआ है। राहुल गांधी संसद के अंदर और बाहर लोगों की आवाज बने हैं। राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष बने हैं तो विपक्ष की उम्मीदें बड़ी है। लाखों करोड़ों लोग जिन्होंने लोकतंत्र को जीवित रखने के लिए और संविधान को सुरक्षित रखने के लिए इंडिया अलाइंस को वोट डाला था, उनको उम्मीद बनी है कि अब राहुल गांधी सच की लड़ाई लड़ने का काम करेंगे।

राहुल गांधी के नेता प्रतिपक्ष बनने पर राहुल गांधी के नेता प्रतिपक्ष बनने से न केवल कांग्रेस को ताकत मिलेगी बल्कि उस सोच को ताकत मिलेगी जो देश में अमन चैन, भाईचारा की बात करते हैं। संसद में लोकसभा स्पीकर चुनाव पर कहा कि सरकार का रवैया सही नही है परंपरा यह है कि अगर स्पीकर बनता है तो डिप्टी स्पीकर विपक्ष को मिलता है। हमारी सरकार के समय डिप्टी स्पीकर विपक्ष का था। अभी पता नहीं क्या निर्णय हुआ है लेकिन हमारे समय पर स्वच्छ परंपरा के तहत ऐसा हुआ है। यह एक मिली जुली सरकार है किसी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिला।

भाजपा जब चुनाव में गई थी तो 303 थे आज 240 रह गए हैं, 65 सांसद कम हुए कांग्रेस पार्टी के 55 से 102 सांसद हुए, मतलब हमने जो बात कही वह जनता ने मानी।

सरकार इंडिया अलायंस की बनी है भविष्य में क्या होगा यह पता नही , स्पीकर जो बने हैं राजस्थान से ओम बिरला और दूसरी बार स्पीकर बने हैं मैं उम्मीद करता हूं कि वह जैसा राहुल गांधी ने कहा है वह निष्पक्षता से काम करेंगे और स्पीकर होने का जो दायित्व होता है प्रत्येक दल को प्रत्येक सदस्य को बराबरी का मौका मिले और विपक्ष को अपनी बात रखने का मौका मिले उम्मीद करता हूं।

देश में किसी भी हालत में 25 जून 1975 जैसा दिन दोबारा देखने को नहीं मिलेगा: उपराष्ट्रपति धनखड़

लखनऊ/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 1975 में देश में आपातकाल लगाए जाने को याद करते हुए बुधवार को कहा कि किसी भी हालत में अब मुल्क में ऐसा दिन दोबारा देखने को नहीं मिलेगा। गाजियाबाद जिले में सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (सीईएल) के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा, देश पर पहले कभी ऐसे काले घने बादल नहीं मंडराये थे जो आज के दिन (1975) मंडराये थे। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र (1975) में अंधेरे में चला गया था। किसी भी हालत में अब भारत में ऐसा दिन देखने को नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा, हम इतने मजबूत हो गये हैं, भारतीय लोकतंत्र की नींव इतनी मजबूत हो गई है कि गांवों, नगर पालिकाओं और जिलों में लोकतंत्र है। उल्लेखनीय है कि 25 जून 1975 को आधी रात को तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सलाह पर भारत में आपातकाल की घोषणा की थी। धनखड़ सीईएल परिसर पहुंचे और सबसे पहले पौधारोपण किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि राज्यसभा के सभापति के तौर पर उन्होंने सांसदों से 100 पौधे लगाने को कहा है। उन्होंने कहा, मैं इसका पालन करता हूं। मुझे याद है कि जब मैं यहां पौधारोपण कर रहा था, तो प्रधानमंत्री ने कहा था कि 'मां के नाम एक पेड़' हमारा मिशन होना चाहिए क्योंकि इससे हमारे जीवन पर असर पड़ेगा। सीईएल के अधिकारियों और कर्मचारियों के काम की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है। हम एक और औद्योगिक क्रांति के मुहाने पर हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा, हमें तकनीकी नवाचारों पर क्रमिक रूप से ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

आदित्यनाथ ने बिरला का आभार जताया, कहा-
कांग्रेस के काले कारनामे को जनता तक पहुंचाना जरूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आपातकाल विरोधी निंदा प्रस्ताव पेश किये जाने को लेकर बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रति आभार जताया और कहा कि 50 वर्ष बीतने के बाद कांग्रेस के काले कारनामे को जनता तक पहुंचाना आवश्यक है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 1975 में कांग्रेस सरकार के दौरान आपातकाल लगाए जाने की लोकसभा में निंदा करते हुए बुधवार को एक प्रस्ताव पढ़ा और कहा कि वह कालखंड काले अध्याय के रूप में दर्ज है ''जब देश में तानाशाही थोप दी गई थी, लोकतांत्रिक मूल्यों को कुचला गया था और अभिव्यक्ति की आजादी का गला घोंट दिया गया था। मुख्यमंत्री योगी ने बुधवार को यहां अपने सरकारी आवास पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर आपातकाल के विरोध में एक निंदा प्रस्ताव पारित किया है।

बिरला की इस पहल की सराहना करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि ''मैं इस प्रयास के लिए बिरला जी का हृदय से अभिनंदन करता हूं। उनको धन्यवाद देते हुए सभी सांसदों को बधाई और प्रस्ताव के लिए आभार प्रकट करता हूं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि ''25 जून 1975 को कांग्रेस की सरकार ने इंदिरा गांधी के नेतृत्व में उस संविधान का गला घोंटने का कार्य किया था, जिसकी शपथ लेकर वह देश की प्रधानमंत्री बनी थीं।'' उन्होंने कहा कि ''यह न केवल संविधान का गला घोंटने बल्कि एक प्रकार से लोकतंत्र की हत्या करने का भी कुत्सित प्रयास था।'' योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ''50 वर्ष बीतने के बाद कांग्रेस के इस काले कारनामे को जनता तक पहुंचाना आवश्यक है और भारत की संसद ने वही कार्य किया है।'' मुख्यमंत्री ने बिना नाम लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर संकेत करते हुए कहा कि ''कांग्रेस का वर्तमान नेतृत्व जिस तरह संविधान के नाम पर, आरक्षण समाप्त करने के नाम पर देश की जनता को गुमराह कर रहा था, इसके लिए उनके काले कारनामों से देश की जनता को अवगत कराना जरूरी है।''

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ''कांग्रेस भले ही चेहरे बदले हो लेकिन उसका चरित्र अधिनायकवादी, तानाशाही है, लोकतांत्रिक संस्थाओं पर उसका विश्वास नहीं है। कौन नहीं जानता है कि आजादी के बाद 2014 तक कांग्रेस ने भारत के संविधान में 75 बार संशोधन किया और 90 बार लोकतांत्रिक ढंग से चुनी गयी राज्य सरकारों को बर्खास्त किया।''

केजरीवाल को फंसाने के लिए केंद्र सीबीआई का इस्तेमाल कर रहा : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने सबसे ज्यादा दिल्ली सरकार के साथ भेदभाव किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि केंद्र आप सरकार के कामकाज में बाधा डालने के लिए उन्हें आबकारी 'घोटाला' मामले में फंसाने के लिए सीबीआई का इस्तेमाल कर रहा है।

अखिलेश यादव ने आप और दिल्ली सरकार में जल मंत्री आतिशी से यहां एलएनजेपी अस्पताल में उनका हालचाल जानने के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि जब से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केंद्र की सत्ता में आई है, तब से मुख्यमंत्रियों की समस्याएं बढ़ गई हैं। जल संकट का सामना कर रही राष्ट्रीय राजधानी के लिए पानी छोड़ने की मांग को लेकर आतिशी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठी थीं, जिसके कारण मंगलवार तड़के उनकी तबीयत खराब हो गई थी। एलएनजेपी के चिकित्सकों ने बताया कि आतिशी की हालत स्थिर है और उन्हें आईसीयू (सघन चिकित्सा इकाई) से वार्ड में स्थानांतरित कर दिया गया है। अखिलेश यादव ने कहा, ''मैं दिल्ली की जल मंत्री आतिशी के स्वास्थ्य के बारे में जानने के लिए आया था। वह न केवल बहादुर हैं, बल्कि लोगों के लिए लड़ना भी जानती हैं। वह दिल्ली की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार लड़ती रही हैं।''

लोस अध्यक्ष के रूप में पिछले पांच साल में बिरला के निर्णयों ने लोकतंत्र को मजबूत किया: चिराग पासवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बुधवार को कहा कि ओम बिरला द्वारा पिछली (सत्रहवीं) लोकसभा के अध्यक्ष के रूप में लिये गए निर्णयों ने लोकतंत्र को मजबूत किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव को सदन द्वारा ध्वनिमत से पारित किए जाने के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार ओम बिरला को 18वीं लोकसभा का अध्यक्ष चुना गया। इस पद पर बिरला का यह लगातार दूसरा कार्यकाल होगा। पासवान ने महत्वपूर्ण संसदीय पद के लिए चुनाव कराने को लेकर विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कई विपक्षी पार्टी-शासित राज्यों में विधानसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों के पद सत्तारूढ़ दलों के पास हैं। जब कई विपक्षी नेताओं ने बिरला पर अपने पिछले कार्यकाल के दौरान सत्ता पक्ष के समर्थन में पक्षपात करने का आरोप लगाया तो भाजपा की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान भी अध्यक्ष के बचाव में सामने आए। पासवान ने कहा, ''पिछले पांच साल में अध्यक्ष द्वारा लिये गए फैसलों ने संविधान की गरिमा बरकरार रखी है और लोकतंत्र को मजबूत किया है।चुनाव खत्म हो चुके हैं, अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने निर्वाचन क्षेत्रों के मुद्दों को उठाएं और अपने देश को आगे ले जाने के लिए काम करें।''

बिना वीजा भारत में प्रवेश करने का प्रयास कर रही चीनी महिला नागरिक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाराजगंज (उप्र)/भाषा। बिना वीजा और वैध दस्तावेजों के कथित तौर पर भारत में प्रवेश करने का प्रयास कर रही एक चीनी महिला को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तारी मंगलवार रात भारत-नेपाल सीमा पर सोनौली इलाके में की गई। पुलिस के मुताबिक शियाओहोंग (49) नेपाल से भारत आ रही थी, तभी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने नियमित जांच के दौरान उसे पकड़ लिया।

एसएसबी के निदेशक प्रदीप कुमार ने कहा कि उसके पास चीनी पासपोर्ट था, लेकिन कोई भारतीय वीजा पत्र और वैध दस्तावेज नहीं था।

सोनौली भारत-नेपाल सीमा पर स्थित है ।

कुमार ने कहा कि मामला दर्ज कर खुफिया ब्यूरो को सूचित कर दिया गया है।

अरुणाचल प्रदेश: स्कूल छात्रावास में वरिष्ठ छात्रों ने की 15 कनिष्ठ छात्रों की पिटाई, पांच निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले में एक सरकारी स्कूल के कक्षा आठ के 15 छात्रों की उनके वरिष्ठों ने छात्रावास में कथित तौर पर पिटाई की। एक पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

स्कूल के प्रधानाचार्य राजीव रंजन ने कहा कि मंगलवार को हुई इस घटना में कथित तौर पर शामिल पांच वरिष्ठ छात्रों को स्कूल प्रशासन ने निलंबित कर दिया है। इस घटना के संबंध में पुलिस ने एक प्राथमिकी भी दर्ज की है। बोरडुमसा में स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय के जूनियर छात्रों को छात्रावास में 11वीं कक्षा के कई छात्रों ने कथित तौर पर डंडों से पीटा। घायल छात्रों को अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। प्रधानाचार्य राजीव रंजन ने अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति की बैठक बुलाई। बैठक में समिति के सदस्यों ने पांच वरिष्ठ छात्रों को कक्षा आठ के छात्रों पर हमला करने और मानसिक आघात पहुंचाने का दोषी पाया। चांगलांग के पुलिस अधीक्षक किर्ली पाडू ने कहा कि आरोपी छात्रों की पहचान की प्रक्रिया जारी है और पुलिस पीड़ितों से बात करेगी। उन्होंने घायल छात्रों और उनके अभिभावकों को आश्वासन दिया कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

असम में बाढ़ की हालत में कुछ सुधार, डेढ़ लाख अब भी प्रभावित

गुवाहाटी/भाषा। असम में बुधवार को प्रमुख नदियों और उनकी सहायक नदियों में जलस्तर घटने के साथ ही बाढ़ की स्थिति में कुछ हद तक सुधार हुआ है। हालांकि सात जिलों में करीब डेढ़ लाख लोग अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं। एक बुलेटिन में यह जानकारी दी गई है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार बाढ़ प्रभावित जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा हुई, इस दौरान करीमगंज में कुशियारा नदी को छोड़कर अन्य सभी नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे आ गया। बारपेटा, कछार, दरांग, धेमाजी, गोलपाड़ा, कामरूप और करीमगंज के करीब डेढ़ लाख लोग अब भी बाढ़ से प्रभावित है। मंगलवार को प्रभावितों की संख्या 1.53 लाख रही। एक बुलेटिन के मुताबिक मंगलवार को कछार में एक व्यक्ति की डूबने के कारण मौत की खबर है। इसके साथ ही इस वर्ष बाढ़, भूस्खलन एवं आंधी के चलते अब तक कुल 41 लोगों की जान जा चुकी है। इसमें कहा गया कि करीमगंज 84 हजार पीड़ितों के साथ सबसे अधिक प्रभावित है, इसके बाद कछार में 52400 और दरांग में साढ़े छह हजार लोग बाढ़ से पीड़ित हैं। बाढ़ प्रभावितों की सहायता के लिए जिला प्रशासन ने 149 राहत बचाव वितरण केंद्र स्थापित किए हैं, जहां 26 हजार लोग शरण लिए गए हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के बुलेटिन के अनुसार इस समय 556 गांव जलमग्न हैं।

केंद्रीय मंत्रियों, राजग सांसदों ने आपातकाल के मुद्दे पर कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रियों समेत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों ने 1975 में आपातकाल लगाने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधते हुए बुधवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया और संविधान की अवहेलना करने के लिए मुख्य विपक्षी पार्टी से माफी की मांग की।

संवैधानिक संस्थाओं पर कथित हमले को लेकर कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों द्वारा अक्सर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके नेतृत्व वाली सरकार को निशाना बनाया जाता रहा है। इसबीच, भाजपा ने कांग्रेस को एक बार फिर आपातकाल के मुद्दे पर घेरना शुरू कर दिया है। इस क्रम में सत्तारूढ़ गठबंधन (राजग) ने 25 जून को आपातकाल की 49वीं बरसी की पृष्ठभूमि में आपातकाल के मुद्दे पर देशव्यापी कार्यक्रमों की भी शुरुआत की है। आपातकाल लगाए जाने की निंदा करने वाला प्रस्ताव पढ़े जाने और संविधान पर हमले को लेकर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की आलोचना किये जाने के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जैसे ही सदन की कार्यवाही स्थगित की, बड़ी संख्या में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसद हाथों में तख्तियां लेकर संसद भवन परिसर में नारे लगाने लगे। इस दौरान उन्होंने 'आपातकाल के लिए कांग्रेस शर्म करो' और 'आपातकाल के लिए माफी मांगो' के नारे लगाए। प्रदर्शन में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, प्रह्लाद जोशी, किरेन रीजीजू और जनता दल (यूनाइटेड) के ललन सिंह सहित अन्य सांसद शामिल हुए। भाजपा सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, ''संविधान बचाने की बात करने वालों और उसकी प्रति हाथ में रखने वालों को आईना दिखाना जरूरी है। ये वही लोग हैं जिन्होंने संविधान को मिटाने की कोशिश की थी। इसलिए हम यह नारा सुन रहे हैं - राहुल गांधी 'माफी मांगो'।'' इस दौरान कई सांसद राहुल गांधी से माफी की मांग करते हुए नारेबाजी कर रहे थे।

झारखंड को मादक पदार्थ मुक्त राज्य बनाएंगे : चंपई सोरेन

रांची/भाषा। मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य झारखंड को मादक पदार्थ से मुक्त राज्य बनाना है। उन्होंने चेतावनी दी कि मादक पदार्थों के उत्पादन और इसकी तस्करी में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। सोरेन ने कहा, छात्र व युवा राज्य और देश का भविष्य हैं। मादक पदार्थों के तस्कर उन्हें निशाना बनाते हैं और उन्हें नशे के जाल में फंसाते हैं। इससे न केवल युवाओं का भविष्य बर्बाद होता है, बल्कि राज्य और देश का भविष्य भी बर्बाद होता है। हमें झारखंड को मादक पदार्थों से मुक्त बनाने का संकल्प लेना होगा।

मुख्यमंत्री मादक पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ एक सप्ताह तक चलने वाले जागरूकता अभियान के समापन समारोह में बोल रहे थे। सोरेन ने कहा कि उनकी सरकार मादक पदार्थों की तस्करी और इसका उत्पादन करने में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। अधिकारी ने बताया कि झारखंड में मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल होने के आरोप में 164 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

कामाख्या मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए चार दिन बाद फिर से खुले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। प्रसिद्ध कामाख्या मंदिर के कपाट अम्बुबाची मेले के अवसर पर पिछले चार दिनों से बंद रहने के बाद बुधवार को सुबह श्रद्धालुओं के लिए फिर से खुल गए और शक्तिपीठ पर भक्तों की भीड़ देखी गई।

मंदिर के द्वार प्रतीकात्मक रूप से चार दिनों के लिए बंद किए गए थे क्योंकि ऐसा माना जाता है कि इस अवधि के दौरान देवी कामाख्या तथा धरती माता दोनों ही मासिक धर्म से गुजरती हैं। मंदिर के कपाट खुलने से जुड़ी रस्में मंगलवार रात को ही पूरी कर ली गई थीं। कामाख्या देवालय के एक अधिकारी ने बताया कि मंदिर के दरवाजे बुधवार को सुबह श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। कामरूप मेट्रोपोलिटन जिले के एक अधिकारी ने बताया कि वार्षिक अम्बुबाची मेला 22 जून को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हुआ। मेले की शुरुआत से अब तक 25 लाख से अधिक लोग यहां आ चुके हैं। इस अवधि के दौरान मंदिर परिसर में आयोजित होने वाला अम्बुबाची मेला पर्यटन के लिए राज्य का एक प्रमुख आयोजन है। प्रशासन ने कामाख्या रेलवे स्टेशन पर 5,000 लोगों के लिए और ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर पांडु बंदरगाह पर 12,000-15,000 लोगों के लिए शिविर की सुविधा उपलब्ध कराई है।

अधिकारियों ने बताया कि मेले में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस कर्मियों, स्वयंसेवकों, निजी सुरक्षा कर्मियों और अन्य लोगों को भी लगाया गया है।

कांग्रेस के सत्ता लालच से डगमगा रहा 'इंडि' गठबंधन : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को दावा किया कि देश में 1975 में आपातकाल लागू करने के मुद्दे पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की ओर से लाए गए प्रस्ताव के खिलाफ विपक्षी 'इंडि' गठबंधन के प्रमुख घटक दलों के सदस्य उनकी पार्टी के विरोध प्रदर्शन में शामिल नहीं हुए।

केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी ने यह आरोप भी लगाया कि ''सत्ता की भूख'' के लिए कांग्रेस ने देश पर आपातकाल लगाया था और गांधी परिवार की इसी ''सत्ता की भूख'' के कारण 'इंडि' गठबंधन की नैया डगमगा रही है। 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस' यानी 'इंडि' गठबंधन को भाजपा के नेता अकसर 'इंडी' गठबंधन कहते हैं। लोकसभा अध्यक्ष के रूप में अपने चुनाव के तुरंत बाद बिरला ने आपातकाल लगाने की निंदा करते हुए निचले सदन में एक प्रस्ताव पढ़ा और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के निर्णय को संविधान पर हमला करार दिया। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा आपातकाल का जिक्र किए जाने पर निचले सदन के पहले सत्र में सरकार और विपक्ष के बीच टकराव भी देखने को मिला।

हमारी खिलाड़ियां लंबी अवधि के प्रारूप में खेलने की आदी हैं : मजूमदार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने टेस्ट क्रिकेट में खेलने को विशेष करार देते हुए बुधवार को यहां कहा कि लंबी अवधि के अंतर क्षेत्रीय टूर्नामेंट में खेलने के कारण उनकी टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के लिए अच्छी तरह से तैयार है। भारतीय महिला टीम ने इससे पहले दिसंबर में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक-एक टेस्ट मैच खेले थे, जिनमें उसने जीत दर्ज की थी।

मजूमदार ने पत्रकारों से कहा,''हमें तीनों प्रारूप में खेलने में मजा आता है लेकिन टेस्ट क्रिकेट हमेशा विशेष होता है। दिसंबर में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो टेस्ट मैच खेलने के बाद बीसीसीआई ने अंतर क्षेत्रीय टूर्नामेंट में लंबी अवधि के प्रारूप को भी शामिल किया और इसलिए हमारी सभी खिलाड़ियों को लाल गेंद की क्रिकेट खेलने की आदत है।'' दीप्ति शर्मा की अगुवाई में पूर्व क्षेत्र ने इस साल अप्रैल में दक्षिण क्षेत्र को एक विकेट से हराकर यह टूर्नामेंट जीता था। मजूमदार ने कहा,''हम इस बात से वाकिफ थे कि लंबी अवधि का प्रारूप हमारे कैलेंडर का हिस्सा बनने जा रहा है। इसलिए खिलाड़ियों को संदेश देने के लिए अंतर क्षेत्रीय टूर्नामेंट बेहद महत्वपूर्ण था।'' मजूमदार ने पुरुषों की तरह महिलाओं के लिए भी टेस्ट चैंपियनशिप आयोजित करने की वकालत की। उन्होंने कहा,''महिला टेस्ट चैंपियनशिप का विचार बुरा नहीं है लेकिन इसका फैसला बोर्ड को करना है। अगर ऐसा होता है तो यह खेल के लिए अच्छा होगा।''

राशिद खान टूर्नामेंट का सबसे कुशल कप्तान : असगर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान असगर अफगान ने राशिद खान को वेस्टइंडीज में चल रहे टी20 विश्व कप का सबसे कुशल कप्तान करार देते हुए कि कहा कि दुनिया भर की फ्रेंचाइजी लीग में खेलने का उनके खिलाड़ियों को फायदा मिला।

अफगानिस्तान ने मंगलवार को बांग्लादेश को हराकर पहली बार टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। अपने इस अभियान के दौरान उसने न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी शीर्ष टीमों को भी हराया।

असगर ने पीटीआई वीडियो से कहा,''मुझे लगता है कि राशिद टूर्नामेंट का सबसे कुशल कप्तान है। वह प्रेरणादायी कप्तान है। वह गेंदबाजी में मैच विजेता है

जो बल्लेबाजी में भी अपनी छाप छोड़ता है।'' उन्होंने कहा,'' सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने में सक्षम है। यही वजह है कि अफगानिस्तान सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहा। जब मैं 2017 में अफगानिस्तान का कप्तान था तब वह मेरे साथ उप कप्तान था और उस समय भी

उसने अपना नेतृत्व कौशल दिखाया था।'' अफगानिस्तान गुरुवार को होने वाले सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगा। असगर ने कहा,''अफगानिस्तान की सफलता का एक और कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अधिक मैच खेलना और खिलाड़ियों का पूरे वर्ष विभिन्न टी20 लीग में खेलना है।''

सुविचार

जरूरत के मुताबिक जिंदगी जिओ, ख्वाहिशों के मुताबिक नहीं, क्योंकि जरूरत तो फकीरों की भी पूरी हो जाती है और ख्वाहिशें बादशाहों की भी अधूरी रह जाती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अतीत से सबक जरूरी

लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने के तुरंत बाद ओम बिरला ने आपातकाल की निंदा संबंधी जो प्रस्ताव पढ़ा और तत्कालीन सरकार की आलोचना की, उसमें ऐसा क्या है, जिसको लेकर किसी को हंगामा करना चाहिए या उसका विरोध करना चाहिए? आपातकाल इस देश के लोकतांत्रिक इतिहास का एक अप्रिय अध्याय है, जिस पर खुलकर बातें होनी चाहिएं। कोई व्यक्ति हो या देश, उसे अपने अतीत से हमेशा सीखते रहना चाहिए। अगर अतीत को याद रखने, उससे शिक्षा लेने की कोई जरूरत ही नहीं है तो इतिहास क्यों पढ़ाया जाता है? जिसे अतीत में ठोकर लगी, वह चोटिल हुआ, उसे दोबारा उठने और चलने के दौरान रास्ते को सावधानी से पार करना चाहिए। अगर एक बार ठोकर लगने के बाद यह सोचकर लापरवाही से चलता रहे कि भविष्य में ऐसा नहीं होगा, तो इससे अगली ठोकर को टाला नहीं जा सकता। देश में 25 जून, 1975 को तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने आपातकाल लगाया था, जिससे कोई इन्कार नहीं कर सकता। उस दौरान कई ज्यादतियां हुई थीं। विपक्ष के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को जेलों में डाल दिया गया था। विरोध करने वालों के खिलाफ खूब बलप्रयोग किया गया था। प्रेस की आज़ादी को दबाया गया था। ख़बरों पर कैंचियां चलाई गई थीं। अख़बारों में वह हिस्सा कोरा छपता था। जबरन नसबंदी के भी कई मामले सामने आए थे। गांवों में सरकारी गाड़ी को देखते ही लोग छिपने के लिए जगह ढूंढ़ते थे। आज की युवा पीढ़ी ने वह दौर नहीं देखा है। जिन्होंने देखा है, उनके अनुभव जानने चाहिएं। अब तो इंटरनेट पर ऐसी कई किताबें उपलब्ध हैं, जिनमें उस दौर के पत्रकारों, नेताओं, अधिकारियों और आम लोगों की आपबीती और आंखोंदेखी का जिक्र है। पढ़कर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। यह सबकुछ तब हो रहा था, जब देश कहने को तो आज़ाद था, लेकिन देशवासियों की आज़ादी को कुचला जा रहा था।

हालांकि ऐसा नहीं है कि आपातकाल का सबने विरोध ही किया था। कथित बुद्धिजीवियों का एक छोटा-सा वर्ग उसके पक्ष में खड़ा था। वह तत्कालीन सरकार के उस फैसले से देश को होने वाले 'फायदे' गिनवा रहा था। ऐसे 'बुद्धिजीवियों' की बाद में चौतरफा निंदा हुई और उनके परिवारों, रिश्तेदारों और दोस्तों ने उन्हें खूब आड़े हाथों लिया था। बेशक तत्कालीन सरकार का वह फैसला गलत था। उससे लोगों की आज़ादी छीनी गई। उनके लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन हुआ। आज किसी को भी उसके संबंध में न तो रक्षात्मक मुद्रा में आने की जरूरत है और न यह कहना चाहिए कि वह तो बहुत पुरानी बात हो गई, लिहाजा इस पर कोई चर्चा नहीं होनी चाहिए! लोकतंत्र में इस बात की हमेशा गुंजाइश रहती है कि नेताओं / सरकारों के फैसलों की आलोचना कर सकें। अमेरिका के लोकतंत्र की कई जगह मिसाल दी जाती है, उसके नेताओं के योगदान को याद किया जाता है, लेकिन उनके फैसलों की आलोचना हमेशा होती रही है। अमेरिकी इतिहास के कई बड़े नेता, जो अपने दौर के मशहूर बुद्धिजीवी भी थे, की आज इसलिए आलोचना होती है, क्योंकि उन्होंने गुलामों को अधिकार देने का विरोध किया था। पश्चिमी देशों में ऐसे कई जहाजियों की हिम्मत और बहादुरी की वाहवाही की जाती है, जिन्होंने नए समुद्री रास्तों की खोज की थी, लेकिन उन्होंने अपने अधीनस्थों और अन्य देशों के निवासियों के साथ जो कठोर बर्ताव किया, उसकी आलोचना की जाती है। एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक, जिनके आविष्कारों ने दुनिया बदल दी, को (उनकी मृत्यु के 92 साल बाद) आज भी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उन्होंने अपने एक साथी को उसकी मेहनत का श्रेय नहीं दिया था। आलोचना का अर्थ संबंधित व्यक्ति / संस्था / सरकार के योगदान को पूरी तरह नकार देना नहीं होता है। इसमें बेहतरी की संभावनाओं को ढूंढ़ने की कोशिश होती है। देश के विकास में इंदिरा गांधी के योगदान की उपेक्षा नहीं की जा सकती। उनके कई फैसले ऐसे थे, जिनसे भारत को फायदा हुआ, उसकी धाक बढ़ी। वर्ष 1971 के युद्ध में हमारी 'महाविजय' को कौन भूल सकता है? उसका श्रेय इंदिरा गांधी की दृढ़ इच्छाशक्ति को जरूर मिलना चाहिए। इसी तरह आपातकाल के संबंध में भी उनके और अन्य सहयोगियों के फैसलों की आलोचना की जा सकती है। नेताओं / सरकारों के फैसलों के हर पक्ष का विश्लेषण करने और उससे कुछ सीखने से ही बेहतर भविष्य का निर्माण किया जा सकता है।

ट्वीटर टॉक

लोकसभा अध्यक्ष माननीय ओम बिरला द्वारा आपातकाल के विरोध में लाए गए प्रस्ताव का हम स्वागत करते हैं। बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा निर्मित भारत के संविधान पर कांग्रेस द्वारा किए गए इस कुठाराघात की हम निंदा करते हैं।

–जेपी नड्डा

18वीं लोकसभा में स्पीकर का कार्यभार दूसरी बार आपने संभाला है, ये अपने आप में एक नया रिकॉर्ड बनते हुए हम देख रहे हैं। श्रीमान बलराम जाखड़ जी ऐसे पहले अध्यक्ष थे, जिन्हें 5 साल का कार्यकाल पूरा करके, फिर दोबारा स्पीकर बनने का अवसर मिला था।

–नरेन्द्र मोदी

भिवाड़ी के औद्योगिक क्षेत्र में दवा और केमिकल बनाने वाली फैक्ट्री में दर्दनाक हादसे का दु:खद समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। मैं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

–राज्यवर्धनसिंह राठौड़

प्रेरक प्रसंग

कला की सीमा

राजा के दरबार में एक चित्रकार था। वह अद्भुत चित्र बनाया करता था। राजा भी उससे प्रभावित था। एक दिन राजा ने चित्रकार से पूछा, 'यह बताओ कि कौन-सी चीजों के चित्र बनाना कठिन है और ऐसी कौन-सी वस्तुएं हैं जिन्हें बड़ी आसानी से बनाया जा सकता है? चित्रकार बोला, 'राजन, जो वस्तु हमारी जानी-पहचानी हैं जिन्हें हम रोज देखते हैं, उनका चित्र बनाना कठिन है। लेकिन अज्ञात चीजें जैसी देवी-देवता, राक्षस, भूत-प्रेत के चित्र बड़े आसानी से बनाए जा सकते हैं।' राजा हैरत में पड़ गया। चित्रकार ने समझाया, 'जिन चीजों को लोग अच्छी तरह जानते हैं, उनकी तस्वीर बनाना इसलिए कठिन है कि लोग उनकी कमियों को आसानी से पकड़ सकते हैं। उनके दिमाग में उन वस्तुओं की एक छवि बनी रहती है जिससे वे हमारे चित्रों का मिलान करने लगते हैं। लेकिन जिन चीजों को उन्होंने देखा ही नहीं है उसके बारे में कोई निश्चित छवि वे अपने भीतर नहीं बना पाते हैं। वैसी तस्वीरों को एक चित्रकार अपनी कल्पना के सहारे जैसा चाहे वैसा बना सकता है। उन पर लोग आपत्ति नहीं करते। वे जनता की दृष्टि में अप्रत्यक्ष हैं।

सामयिक

बिरला के अध्यक्ष बनने से शुरुआत सही दिशा में

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

ओम बिरला को दूसरी बार ध्वनिमत से 18वीं लोकसभा का नया स्पीकर चुना गया। जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नेता विपक्ष राहुल गांधी उन्हें आसन तक लेकर पहुंचे। ध्वनिमत पर विपक्ष ने डिविजन की मांग नहीं की। ओम बिरला के नाम पर विपक्ष का विरोध न करना मोदी सरकार के लिए भी किसी आश्चर्य से कम नहीं रहा। उम्मीद यही की जा रही थी कि विपक्ष वोटिंग की मांग करेगा और फिर पूरी प्रक्रिया के तहत मतदान होगा। लेकिन आज बिरला को नये लोकसभा के अध्यक्ष चुने जाने की सम्पूर्ण प्रक्रिया जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की खूबसूरती की छटा बिखेर रही थी, वहीं ऐसी संभावनाओं को बल दिया कि अठाहरवीं लोकसभा के सभी सत्र एक नया इतिहास का सृजन करते हुए उम्मीदभरे होंगे। कोटा से तीसरी बार के सांसद ओम बिरला ने दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बनकर इतिहास रच दिया है। वे लगातार दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बनने वाले तीसरे शख्स हैं। उनसे पहले बलराम जाखड़ 9 सालों तक स्पीकर रहे थे। ओम बिरला का चुना जाना चौंकाता नहीं है, बल्कि जो बात थोड़ी हैरान करने वाली थी वह है इस पद के लिए चुनाव की नौबत लाया जाना। वैसे तो लोकतंत्र में चुनाव किसी भी पद के लिए हो, उसे बुरा मानने का कोई कारण नहीं है। मगर लोकसभा अध्यक्ष का पद ऐसा है जिसमें आम राय को हमेशा तवज्जो दी जाती रही है। वजह यह है कि सदन के सुचारू संचालन के लिए अध्यक्ष को दोनों पक्षों का सहयोग चाहिए होता है। ऐसे में अगर इस पद पर बैठे व्यक्ति का चयन दोनों पक्ष उसमें अपना विश्वास घोषित करते हुए करें तो पद की शोभा कई गुना बढ़ जाती है।

स्वतंत्र भारत में लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए केवल तीन बार 1952, 1967 और 1976 में चुनाव हुए। वर्ष 1952 में कांग्रेस सदस्य जी. वी. मावलंकर को लोकसभा स्पीकर के रूप में चुना गया था। लोकसभा अध्यक्ष पद पर चयन को लेकर सरकार और विपक्षी दलों के बीच सहमति नहीं बन पाई, जिस वजह से चुनाव की नौबत आ गई। केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार के गठन के बाद सरकार और विपक्ष के बीच यह पहला शक्ति प्रदर्शन था। इसलिए भाजपा के रणनीतिकार अपने उम्मीदवार ओम बिरला को ज्यादा से ज्यादा सांसदों के समर्थन के साथ बड़ी जीत दिलवाने के मिशन में जुट गई थी। इंडिया गठबंधन की पूर्व रात्री को हुई बैठक में ही नेताओं का कहना था कि इंडिया गठबंधन के पास संख्या बल नहीं है। इसलिये बिना मतदान के ही ध्वनिमत से बिरला के अध्यक्ष चुने जाने की कार्रवाई को निर्बाध होने दिया एवं संसदीय पटल पर खुशी का माहौल दिखाई दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह सदन का सौभाग्य है कि आप दूसरी बार इस आसन पर विराजमान हो रहे हैं। अमृतकाल के इस महत्वपूर्ण कालखंड में दूसरी बार इस पद पर विराजमान होना बहुत बड़ा दायित्व आपको मिला है, हम सबका विश्वास है कि आप आने वाले 5 साल हम सबका मार्गदर्शन करेंगे। लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी बधाई देते हुए संविधान रक्षा की बात दोहरायी। सदन में तीसरे सबसे बड़े दल के नेता अखिलेश यादव ने कहा कि जिस पद पर आप बैठे हैं, इससे बहुत गौरवाशाली परंपरा जुड़ी है। इसलिए सबकुछ बिना भेदभाव आगे बढ़ेगा। निष्पक्षता इस महान पद की महान जिम्मेदारी है। आप लोकतंत्र के मुख्य न्यायाधीश की तरह बैठे हैं।'

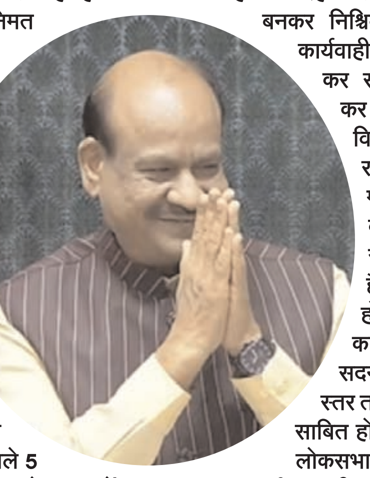

हर राष्ट्र का सर्वोच्च मंच उस राष्ट्र की पार्लियामेंट होती है, जो पूरे राष्ट्र के लोगों द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों द्वारा संचालित होती है, राष्ट्र-संचालन की रीति-नीति और नियम तय करती है, उनकी आवाज बनती है व उनके ही हित में कार्य करती है। राष्ट्र के व्यापक हितों की सुरक्षा करती है। भारत का लोकतंत्र न केवल सशक्त है बल्कि अनूठा एवं प्रेरक है, उसका सर्वोच्च मंच लोकसभा है। सत्रहवीं लोकसभा के सत्रों की कार्यवाही बिरला ने नियोजित एवं सुचारू ढंग से संचालित कर एक स्वस्थ परम्परा का सूत्रपात किया था, उनके अनुभव एवं क्षमताएं सदन को नई दृष्टि देने के लिए तत्पर रहे हैं। उनके सदन संचालन की दक्षता एवं कौशल की ताजी हवा के झोंकों का अहसास देश का सर्वोच्च लोकतांत्रिक सदन लोकसभा महसूस करता रहा है। वे लोकसभा को कुशलता से संचालित करने में न केवल खरे उतरे हैं बल्कि नये प्रतिमान स्थापित करते हुए सदन की गरिमा एवं गौरव की अभिवृद्धि की हैं। अठारहवीं लोकसभा के अध्यक्ष बनकर निश्चित ही वे सदन की कार्यवाही को अनुशासित भी कर सकेंगे, अनुप्रेरित भी कर सकेंगे और पक्ष-विपक्ष के बीच संतुलन रखते हुए देशहित में महत्वपूर्ण निर्णय लेने का मार्ग प्रशस्त कर सकेंगे, ऐसा विश्वास है। निश्चित ही निष्पक्ष होकर अपनी भूमिका का निर्वहन करते हुए सदन की गरिमा को नए स्तर तक ले जाने में वे सक्षम साबित होंगे।

लोकसभा कुछ खम्भों पर टिकी एक सुन्दर ईमारत ही नहीं है, यह एक अरब चालीस करोड़ जनता के दिलों की धड़कन है। उसके एक-एक मिनट का सदुपयोग हो। वहां शोर, नारे और अव्यवहार न हो, अवरोध पैदा नहीं हो। ऐसा होना निर्धनजन और देश के लिए हर दृष्टि से महंगा सिद्ध होता है। यदि हमारे प्रतिनिधि ईमानदारी से नहीं सोचेंगे और आचरण नहीं करेंगे तो इस राष्ट्र की आम जनता सही और गलत, नैतिक और अनैतिक के बीच अन्तर करना ही छोड़ देगी। निश्चित ही संतुलन, निष्पक्षता, शालीनता एवं कौशल के बल पर बिरला नये लोकसभा के सदन की कार्रवाई को एक नई ऊंचाई प्रदान करेंगे और नयी उम्मीदों को पंख लगायेंगे। इसमें पक्ष एवं विपक्ष का सहयोग अपेक्षित है तभी लोकसभा की शालीनता एवं सभ्यता नई ऊंचाइयों पर आरोहण करेंगी। देश का भविष्य संसद के चेहरे पर लिखा होता है, यदि वहां मर्यादाहीनता एवं अशालीनता का प्रदर्शन होता है तो समस्याएं सुलझने की बजाय उलझती जाती है। छोटी-छोटी बातों पर अभद्र शब्दों का व्यवहार, हो-हल्ला, छींटाकशी, हंगामा और बहिर्गमन आदि ऐसी घटनाएं है, जिनसे संसद जैसी प्रतिनिधि संस्था का गौरव घटता है। यह बात चुने हुए प्रतिनिधियों को समझाने एवं उन्हें प्रशिक्षित करने में बिरलाजी ने पूर्व में जिस तरह की सिद्धहस्तता का परिचय दिया है, वह काबिलेतारीक है।

संसद करोड़ों लोगों का प्रतिनिधित्व कर उनकी आवाज बनती हैं। हमारे राष्ट्र की लोकसभा का यही पवित्र दायित्व होता है कि वह उसकी पवित्रता एवं स्वस्थता कायम रखे तथा सभी प्रतिनिधि भगवान और आत्मा की साक्षी से इस दायित्व को निष्ठा व ईमानदारी से निभाने की शपथ लेते हैं। लोकसभा अध्यक्ष पद पर केवल लम्बे संसदीय अनुभव रखने वाले सांसद का चुनाव जरूरी नहीं होता। देखना यह होता है कि इस पद पर बैठा व्यक्ति सभी पक्षों को साथ लेकर चलने की क्षमता रखता है अथवा नहीं और वह सभी पक्षों के साथ यथोचित न्याय करने का हौंसला रखता है या नहीं। सदन में जब मूल्य एवं नैतिक मानक कमजोर हो जाते हैं और सिर्फ निजी हैसियत को ऊँचा करना ही महत्त्वपूर्ण हो जाता है तो वह सदन निश्चित रूप से कमजोर हो जाता है। आजादी के अमृत काल में भी हम अपने आचरण और काबिलीयत को एक स्तर तक ऊंचा उठाये। नेता और नायक किसी कारखाने में पैदा करने की चीज नहीं हैं, उनकी काबिलीयत और चरित्र को गढ़ने का काम भी लोकसभा ही करती है। संविधान की शब्दधाराओं को ही नहीं उसकी भावना को महत्व देने के गुणों का विकास भी यहीं से होता है। बोलने की आजादी का सदुपयोग करना भी यही पर सिखाया जाता है। नये अध्यक्ष लोकसभा को प्रशिक्षण की प्रयोगशाला बनाये। नई लोकसभा अपने भीतर ऐसे परिवेश को जन्म दे, जो स्वयं आगे आकर नवनिर्माण करें, दायित्व की बागडोर थामे और सुधार, स्वस्थता एवं विकास का कार्य शुरू करें। लोकसभा बड़े आदर्शों की अपेक्षा एक छोटा-सा सवाल अपने आपसे करने की कोशिश कर रही है कि नयी लोकसभा की अगवानी में अलविदा किसे कहे? अतीत के उन घटना-प्रसंगों को अलविदा कहें जिनकी वजह से लोकसभा के सपने एवं संकल्प अधूरे रहे और उसकी गरिमा धूमिल होती रही है। शुरुआत तो अच्छी हो रही है देखिये आगे क्या होता है? इतना तो है ही कि इस बार सभी पक्षों से बेहतर समझदारी और परिपक्वता की अपेक्षा रहेगी।

नजरिया

कल्पनाओं को साकार करती कृत्रिम बुद्धिमत्ता

डॉ. सत्यवान सौरभ

मोबाइल : 9466526148

एआई के अनुप्रयोग का दायरा बढ़ता जा रहा है और ये अधिक विशाल होता जा रहा है, ये ऊर्जा की खपत को अनुकूलित करने से लेकर परिवहन के ऐसे रूपों में भी योगदान दे रहे हैं, जिससे समाज का भला हो।स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में, एआई ने मेडिकल इमेजिंग को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वित्तीय उद्योग में, एआई वित्तीय धोखाधड़ी का पता लगाने और जोखिम प्रबंधन में महत्वपूर्ण प्रगति हासिल कर रहा है। उदाहरण के लिए, बैंक और वित्तीय संस्थान वास्तविक समय में विशाल लेनदेन डेटा का विश्लेषण करने, धोखाधड़ी से जुड़ी गतिविधियों का पता लगाने और वित्तीय नुकसान को रोकने के लिए फीडज़ई जैसे एआई एल्गोरिदम का उपयोग कर रहे हैं। एआई-संचालित रोबो-सलाहकार, जैसे वेल्थफ्रंट और बेटरमेंट, ग्राहकों की जोखिम सहनशीलता के आधार पर व्यक्तिगत निवेश, वित्तीय लक्ष्यों और बाजार की स्थितियों के आधार पर वित्तीय रणनीतियों में मदद करते हैं, जिससे धन प्रबंधन अधिक सुलभ और कुशल हो जाता है।

शिक्षा क्षेत्र में, डुओलिंगो जैसे एआई-संचालित प्लेटफार्मों ने व्यक्तिगत ट्यूशन, अनुकूली शिक्षण पथ और रियल टाइम प्रतिक्रिया के माध्यम से भाषा सीखने में क्रांति ला दी है। कॉग्नि जैसे एआई-आधारित प्लेटफार्मों का उपयोग करने वाले छात्र स्वचालित ग्रेडिंग सिस्टम से लाभान्वित होते हैं साथ ही ये अपने निबंधों का मूल्यांकन करते हैं और रचनात्मक प्रतिक्रिया प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त ये सीखने के अनुभव को बढ़ाते हैं और शिक्षकों पर बोझ को कम करते हैं। इसके अलावा, स्मार्टी पिन और खान अकादमी जैसे एआई-सक्षम शैक्षिक उपकरण जटिल अवधारणाओं की गहरी समझ को बढ़ावा देते हुए, गेमिफिकेशन और इंटरैक्टिव सामग्री के माध्यम से छात्रों को संलग्न करते हैं। हालाँकि, एआई का नकारात्मक प्रभाव मुंबई की घटना जैसे उदाहरणों में भी स्पष्ट है, जहां एआई वॉयस मॉड्यूलेशन का दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए शोषण किया गया था, जिससे एक नकली अपहरण परिदृश्य तैयार हुआ। ऐसी घटनाएं एआई के दुरुपयोग को रोकने और व्यक्तियों को संभावित नुकसान से बचाने के लिए सख्त नियमों की आवश्यकता पर जोर देती हैं। इस प्रकार, एआई का महत्व जटिल चुनौतियों का समाधान करने और नए अवसर पैदा करने की क्षमता में निहित है, ऐसे में देखा जाए तो हम प्रौद्योगिकी के साथ कैसे तालमेल बिठाते हैं और अपने व्यवसाय को कैसे संचालित करते हैं, इसे भी परिभाषित करने की आवश्यकता है। एआई की परिवर्तनकारी शक्ति उद्योगों तक फैली हुई है, जिससे हमारा जीवन अधिक कुशल, सुविधाजनक और जानकारीपूर्ण हो गया है। हालाँकि, -ख का नकारात्मक उपयोग भी स्पष्ट है, जैसा कि मुंबई की घटना में देखा गया जहाँ नकली अपहरण परिदृश्य बनाने के लिए वॉयस मॉड्यूलेशन का फायदा उठाया गया था।

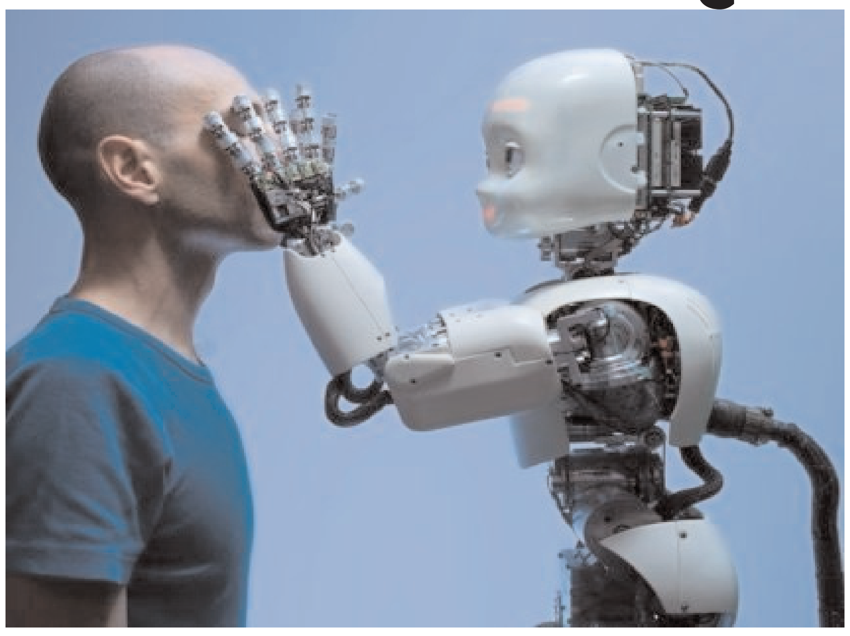

हम एआई की असीमित क्षमता पर आश्चर्यचकित हैं, ऐसे में हमें इसके द्वारा प्रस्तुत चुनौतियों का भी सामना करना चाहिए। एआई के कारण नैतिक चिंताएँ बढ़ी हैं, क्योंकि एआई सिस्टम मानव जीवन को प्रभावित करने वाली महत्वपूर्ण निर्णय लेने वाली भूमिकाएँ निभा रहा है। इस प्रकार किसी भी विषय पर निष्पक्षता सुनिश्चित करने और पूर्वाग्रह से बचने के लिए, डेवलपर्स को एल्गोरिदम और डेटा सेट सावधानीपूर्वक डिजाइन करना चाहिए। उदाहरण के लिए नियुक्ति प्रक्रिया में, प्रशिक्षण डेटा में मौजूद ऐतिहासिक पूर्वाग्रहों से बचने के लिए एआई-संचालित उपकरणों का सावधानीपूर्वक परीक्षण किया जाना चाहिए। इसके अलावा, एआई सिस्टम द्वारा संसाधित बड़ी मात्रा में व्यक्तिगत डेटा महत्वपूर्ण गोपनीयता संबंधी चिंताएँ पैदा करता है।

हम एआई की असीमित क्षमता पर आश्चर्यचकित हैं, ऐसे में हमें इसके द्वारा प्रस्तुत चुनौतियों का भी सामना करना चाहिए। एआई के कारण नैतिक चिंताएँ बढ़ीं हैं, क्योंकि एआई सिस्टम मानव जीवन को प्रभावित करने वाली महत्वपूर्ण निर्णय लेने वाली भूमिकाएँ निभा रहा है। इस प्रकार किसी भी विषय पर निष्पक्षता सुनिश्चित करने और पूर्वाग्रह से बचने के लिए, डेवलपर्स को एल्गोरिदम और डेटा सेट सावधानीपूर्वक डिजाइन करना चाहिए। उदाहरण के लिए नियुक्ति प्रक्रिया में, प्रशिक्षण डेटा में मौजूद ऐतिहासिक पूर्वाग्रहों से बचने के लिए एआई-संचालित उपकरणों का सावधानीपूर्वक परीक्षण किया जाना चाहिए। इसके अलावा, एआई सिस्टम द्वारा संसाधित बड़ी मात्रा में व्यक्तिगत डेटा महत्वपूर्ण गोपनीयता संबंधी चिंताएँ पैदा करता है। एआई अनुप्रयोगों में विश्वास पैदा करने के लिए संवेदनशील जानकारी की सुरक्षा करना और अनधिकृत पहुंच को रोकना आवश्यक है। उदाहरण के तौर पर यूरोप के जनरल डेटा प्रोटेक्शन रेगुलेशन (जीडीपीआर) द्वारा मजबूत डेटा सुरक्षा नियम और सुरक्षित भंडारण समाधान प्रस्तुत किया गया जो व्यक्तिगत गोपनीयता का सम्मान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है।

एआई की स्वचालन क्षमता से कुछ उद्योगों में नौकरी विस्थापन की संभावना बढ़ जाती है। इस मुद्दे के समाधान के लिए, पुन: कौशल पहल जैसे सक्रिय उपाय महत्वपूर्ण हो जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि सरकारों, व्यवसायों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोगात्मक प्रयास से प्रभावित श्रमिकों को एआई-संचालित अर्थव्यवस्था के लिए उपयुक्त नए कौशल हासिल करने के अवसर मिलें। उदाहरण के लिए, फ़िनलैंड का फ़िनिश लाइफलॉन्ग लर्निंग एक्सपेरिमेंट श्रमिकों को बदलती नौकरी की आवश्यकताओं के अनुकूल बनाने में मदद करने के लिए व्यक्तिगत प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है।

एआई के स्वर्णिम युग में आगे का मार्ग प्रशस्त करने हेतु जिम्मेदारी पूर्वक एआई का विकास किया जाये जो व्यापक भलाई के लिए अपनी क्षमता के अनुरूप कार्य करे। एआई अनुसंधान में निरंतर निवेश इसकी क्षमताओं, सीमाओं और संभावित जोखिमों को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। ओपनएआई और डीपमाइंड जैसे संगठन एआई अनुसंधान में अग्रणी हैं, ये नवीन दृष्टिकोण की तलाश रहे हैं और जिम्मेदारी पूर्वक एआई उपयोग को बढ़ावा दे रहे हैं।

एआई चुनौतियों से व्यापक रूप से निपटने के लिए अंत:विषय सहयोग को बढ़ावा देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसलिए कंप्यूटर विज्ञान, नैतिकता, कानून और समाजशास्त्र जैसे विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को एक साथ लाने से समग्र दृष्टिकोण संभव हो सकता है। तकनीकी दिग्गजों, शिक्षाविदों और गैर सरकारी संगठनों, व एआई पर साझेदारी, के माध्यम से नैतिक चुनौतियों का समाधान करने और एआई में सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए सहायता मिल सकती है।सार्वजनिक विश्वास अर्जित करने के लिए नैतिक एआई प्रथाओं को बढ़ावा देना आवश्यक है। डेवलपर्स को एआई एल्गोरिदम में पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्षता को प्राथमिकता देनी चाहिए। डखचए (लोकल इंटरप्रेटेबल मॉडल-एग्नोस्टिक एक्सप्लेनेशंस) जैसे -ख मॉडल को लागू क रना जरूरी है। यह निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, उपयोगकर्ता के विश्वास और समझ को बढ़ाता है।

इसके अलावा, बढ़ती सामाजिक असमानताओं को रोकने के लिए डिजिटल विभाजन को पाटना महत्वपूर्ण है। एआई के लाभों तक पहुंच न्यायसंगत होनी चाहिए, और डिजिटल साक्षरता और कौशल विकास के अवसर प्रदान करने वाली पहल व्यक्तियों को एआई-संचालित दुनिया में पनपने के लिए सशक्त बना सकती है। उदाहरण के लिए, भारत के डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का उद्देश्य वंचित समुदायों को किफायती इंटरनेट पहुंच और डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण प्रदान करना है। जैसे-जैसे हम एआई की असीम संभावनाओं को अपनी आंखों के सामने प्रकट होते देखते हैं, हमें इसके द्वारा प्रस्तुत चुनौतियों से निपटने की अनिवार्यता का भी सामना करना पड़ता है। नैतिक चिंताएँ, गोपनीयता के मुद्दे और नौकरी विस्थापन की संभावना पर हमें सावधानीपूर्वक ध्यान देने की आवश्यकता है। इसलिए अनुसंधान, अंत:विषय सहयोग और नैतिक प्रथाओं में निवेश द्वारा, जिम्मेदार एआई विकास हमें एक ऐसे भविष्य की ओर मार्गदर्शन करने वाला स्रोत बन जाता है, जहां एआई अधिक से अधिक अच्छा काम कर सकेगा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'मोदी 3.0 में अमेरिका एवं भारत रक्षा, प्रौद्योगिकी, आर्थिक समृद्धि में प्रगति कर सकते हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा है कि नरेन्द्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के दौरान जब महत्वाकांक्षी भारत और महत्वाकांक्षी अमेरिका मिलकर काम करेंगे तब रक्षा साझेदारी, महत्वपूर्ण उभरती प्रौद्योगिकियों और आर्थिक समृद्धि में और अधिक प्रगति हासिल की जा सकती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को उनकी जीत के लिए बधाई देते हुए गार्सेटी ने कहा कि मोदी 3.0 द्विपक्षीय संबंधों के सपनों को वास्तविकता में बदलने का समय है। गार्सेटी ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, मुझे लगता है कि मोदी 3.0 हमारे लिए अपने सपनों को साकार करने का समय है।

भारत में हाल में हुए आम चुनावों के बाद बाइडन प्रशासन के किसी वरिष्ठ अधिकारी द्वारा दिया गया यह पहला साक्षात्कार है। लोकसभा चुनावों के बाद प्रधानमंत्री मोदी लगातार तीसरी बार सत्ता में आए हैं। गार्सेटी ने कहा, चाहे वह काम हो जिसे हम अपनी रक्षा साझेदारी में साथ मिलकर कर रहे हैं, चाहे वह हमारी महत्वपूर्ण उभरती हुई प्रौद्योगिकियां हों, या फिर वह काम हो जिसे हम आर्थिक समृद्धि के लिए कर रहे हैं। मुझे लगता है कि मोदी 3.0 में ये तीन चीजें हासिल करने के लिए हम एक महत्वाकांक्षी भारत को एक महत्वाकांक्षी अमेरिका के साथ काम करते हुए देख सकते हैं।

उन्होंने कहा, मेरी राय में 3.0 इस बारे में है कि हम अमेरिका और भारत के बीच किस तरह का रिश्ता बनाते हैं जो न केवल हमारे लोगों के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी अच्छा हो सकता है। यह दुनिया को दिखा सकता है कि लोकतंत्र तानाशाही से बेहतर है और एक स्वतंत्र और बाधामुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र हर इंसान के लिए फायदेमंद है। हाल ही में भारत में अमेरिकी राजदूत के तौर पर एक वर्ष पूरा करने वाले गार्सेटी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दूसरे कार्यकाल के दौरान, हमने एक राजकीय यात्रा देखी, जी-20 के दौरान राष्ट्रपति की यात्रा देखी तथा विभिन्न क्षेत्रों में 150 से अधिक समझौते हुए।

लॉस एंजिलिस शहर के 53 वर्षीय पूर्व मेयर ने कहा, चाहे वह अंतरिक्ष में हो, चाहे वह स्वास्थ्य में हो, चाहे वह रक्षा में हो, चाहे वह व्यापार में हो, हमने पिछले मुद्दों को हल किया और अपनी महत्वाकांक्षाओं के साथ वास्तव में आगे बढ़े। राष्ट्रपति जो बाइडन के करीबी, भरोसेमंद गार्सेटी वर्तमान में 'सेलेक्ट यूएसए समिट' में भाग लेने के लिए वाशिंगटन डीसी में हैं, जिसमें भारत का प्रतिनिधिमंडल सबसे बड़ा है। वह सात वर्षों में पहली बार आयोजित होने वाले 'यूएस-इंडिया एविएशन समिट' को भी संबोधित करेंगे।

भारत के चुनावों पर एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, सबसे पहले, यह कितना प्रभावशाली चुनाव था जिसमें 140 करोड़ लोगों ने अपने मताधिकार का उपयोग किया, तथा दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक चुनाव को सुनिश्चित करने के लिए जो व्यवस्था, सुरक्षा और कार्य किए गए, उन्हें देखना अद्भुत था। उन्होंने कहा, दूसरा, चुनाव लोगों के अपने मौलिक अधिकारों का उपयोग करने के बारे में है। यह देखना हमारे लिए अद्भुत था। हम दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्र हैं।

प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा और गठबंधन को उनकी जीत के लिए बधाई देते हुए उन्होंने कहा, यह निश्चित रूप से नेताओं का एक समूह है, जिन्हें हम अच्छी तरह से जानते हैं, जिनका हम सम्मान करते हैं और जिनके साथ हम अविश्वसनीय रूप से अच्छी तरह से काम करते हैं। उन्होंने कहा, हम व्यवसाय में वापस आने के लिए इंतजार नहीं कर सकते।

जयशंकर ने म्यांमार के अपने समकक्ष से मुलाकात की, भारत की सीमा पर हिंसा को लेकर जताई चिंता

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने म्यांमार के अपने समकक्ष यू थान श्वे से बुधवार को हुई मुलाकात के दौरान पड़ोसी देश में हिंसा एवं अस्थिरता का असर भारतीय सीमा पर पड़ने को लेकर भारत की चिंता साझा की और म्यावाडी शहर में फंसे भारतीयों को यथाशीघ्र वापस लाने में सहयोग की मांग की। जयशंकर ने थान श्वे से नयी दिल्ली में मुलाकात की, जो अपनी एक यात्रा के दौरान यहां रुके थे। वह म्यांमा के उपप्रधानमंत्री भी हैं। मुलाकात के बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने म्यांमा में भारत की चल रही परियोजनाओं की 'विश्वसनीय सुरक्षा' के लिए जोर दिया और पड़ोसी देश के लोकतांत्रिक पथ पर यथाशीघ्र लौटने की अपील की।

जयशंकर ने पड़ोसी देश में जारी हिंसा और अस्थिरता का भारत-म्यांमा सीमा पर विशेष रूप से होने वाले असर को रेखांकित किया। म्यांमार के कई हिस्सों में सैन्य जुंटा और विद्रोही बलों के बीच लड़ाई चल रही है। विद्रोही बलों ने पहले ही कई शहरों पर कब्जा कर लिया है। जुंटा-रोधी (सैन्य शासन विरोधी) बलों ने अप्रैल में कई सैन्य ठिकानों और म्यावाडी के कमान केंद्र पर कब्जा कर लिया था।

'आइए बैठकर बात करें': पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज ने इमरान खान के साथ सुलह की पेशकश की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

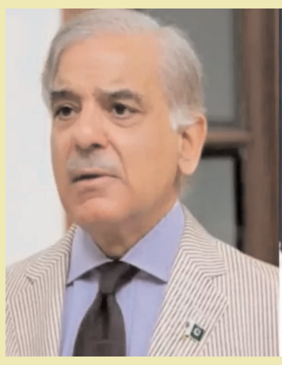

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को अपने पूर्ववर्ती और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी इमरान खान को शांति का प्रस्ताव देते हुए कहा कि अगर उन्हें जेल में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तो वह उनके साथ बातचीत कर सकते हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के संस्थापक खान, अप्रैल 2022 में सत्ता से बेदखल होने के बाद से अपने खिलाफ दर्ज करीब 200 मामलों में से कुछ में दोषी ठहराए जाने के बाद पिछले साल अगस्त से जेल में बंद हैं। शरीफ ने नेशनल असेंबली को संबोधित करते हुए कहा, यदि उनके (पीटीआई के) संस्थापक को (जेल में) परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, तो मैं दोहराता हूं: आइए, बैठकर बात करें। उन्होंने कहा, आइए हम देश को आगे ले जाने के लिए एक साथ बैठें। आइए हम देश की बेहतरी के लिए बात करें। आगे बढ़ने का कोई और रास्ता नहीं है। नवाज शरीफ के नेतृत्व वाली पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और क्रिकेटर से नेता बने खान (71) की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के बीच कई वर्षों से टकराव चल रहा है, खासकर आठ फरवरी के चुनावों के बाद जिसके बारे में खान की पार्टी का दावा है कि उसने (चुनावों में) जीत हासिल की है।

खान की पीटीआई द्वारा जीते गए 2018 के चुनाव पर टिप्पणी करते हुए शरीफ ने कहा, हम चुनावों (में धांधली) के बावजूद संसद में शामिल हुए। मेरे पहले भाषण के दौरान लगाए गए नारे हमेशा इतिहास की किताबों में एक काले अध्याय के रूप में याद किए जाएंगे। 'जियो न्यूज' ने शरीफ को उद्धृत करते हुए कहा, अगर किसी के साथ अन्याय हो रहा है, तो मेरा मानना है कि न्याय का तराजू पीड़ित के पक्ष में होना चाहिए, इसमें कोई अंतर नहीं है - चाहे वह कोई राजनेता हो या किसी भी क्षेत्र का कोई व्यक्ति हो।

शरीफ (72) ने अफसोस जताते हुए कहा कि जब वह विपक्ष में थे तो उन्होंने एक बार फिर खान के सामने बातचीत का प्रस्ताव रखा था, लेकिन इस तरह के नारे फिर लगाए गए। उन्होंने कहा, तो इस कड़वाहट (नेताओं के बीच) के लिए कौन जिम्मेदार है? अब हम हाथ भी नहीं मिलाते हैं।

टीटीपी ने 'सीपैक' को नुकसान पहुंचाने की बात स्वीकार की

कराची। प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के वरिष्ठ कमांडर ने दावा किया है कि वह बलूचिस्तान के प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन के साथ मिलकर 60 अरब अमेरिकी डॉलर की चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजना (सीपैक) को नुकसान पहुंचाने के लिए काम कर रहा है। यह दावा अशांत बलूचिस्तान सूबे के गृहमंत्री मीर जिया लन्ग्रोव ने बुधवार को क्वेटा में किया। लन्ग्रोव ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, तहरीक-ए-तालिबान के रक्षा शूरा (परिषद) प्रमुख नसरुल्लाह उर्फ मौलवी मंसूर को हाल में सुरक्षाबलों ने बलूचिस्तान से तब गिरफ्तार किया जब वह सूबे में आतंकवादी हमले की योजना बना रहा था। मौलवी मंसूर ने बलूचिस्तान में आतंकवादी गतिविधि को लेकर कुछ अहम खुलासे किए हैं। द न्यूज इंटरनेशनल की खबर के अनुसार ये गिरफ्तारियां केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अज्म-ए-इस्तेहकाम अभियान को मंजूरी दिए जाने के एक दिन बाद हुई।

संवाददाता सम्मेलन में एक वीडियो भी प्रसारित किया गया जिसमें मौलवी स्वीकार करता हुआ दिखाई दे रहा है कि टीटीपी, बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के साथ मिलकर अपहरण की योजना बनाता है और अपहृत लोगों को अफगानिस्तान भेज दिया जाता है जबकि उन्हें लापता के तौर पर पेश किया जाता है।

2 अगस्त को रिलीज होगी जाह्नवी कपूर की फिल्म 'उलझ'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर की आने वाली फिल्म उलझ, 02 अगस्त को रिलीज होगी। जाह्नवी कपूर की फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' हाल ही में रिलीज हुई थी। जाह्नवी कपूर की फिल्म 'उलझ' रिलीज होने वाली है।जाह्नवी कपूर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर फिल्म उलझ का मोशन पोस्टर शेयर किया है।इसे शेयर करते हुए जाह्नवी कपूर ने कैप्शन में लिखा है कि उलझ अब 02 अगस्त को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। जल्द ही पॉपकॉर्न के साथ मिलते हैं। फिल्म उलझ में जाह्नवी कपूर इंडियन फारेस्ट ऑफिसर का किरदार निभाने वाली हैं। फिल्म की कहानी देशभक्ति पर आधारित होगी। इस फिल्म में जाह्नवी कपूर के साथ गुलशन देवैया, राजेश तैलंग, रोशन मैथ्यू, मियांग चांग, सचिन खेडेकर, राजेंद्र गुप्ता और जितेंद्र जोशी समेत कई स्टार्स दिखाई देने वाले हैं।

फिल्म 'इंडियन 2' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार कमल हासन की आने वाली फिल्म 'इंडियन 2' का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। वर्ष 1996 में प्रदर्शित फिल्म 'इंडियन' में कमल हासन ने सेनापति नाम के स्वतंत्रता सेनानी का रोल किया था, जो भ्रष्टाचार से लड़ता है और फिल्म इंडियन के सीक्वल इंडियन 2 में उन्होंने इसी रोल में दमदार वापसी की है।'इंडियन 2' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर की शुरुआत एक वॉइस ओवर से होती है, जिसमें देश के हालात के बारे में बताया जाता है। कहा जाता है- कैसा देश है ये। पढ़े-लिखे लोगों के लिए काम नहीं, और काम है तो पगार नहीं। चोर चोरी करता रहेगा और अपराधी भी अपराध करता रहेगा। ऐसे में देश फिर से 'इंडियन' को बुलाना चाहता है, जो उसके लोगों को बचा सके। कुछ युवा कहते नजर आते हैं कि इस भ्रष्टाचार को खत्म करने एक हंटिंग डॉग आना चाहिए, तभी सवाल उठते हैं कि क्या ऐसा कोई था? इस पर आवाज आती है 'हिंदुस्तानी'। इसके बाद सेनापति की एंट्री होती है।इस दौरान वो बोलते हैं कि- यह दूसरा स्वतंत्रता का जंग है, गांधी जी के रास्ते में तुम और नेताजी के रास्ते में मैं एस शंकर द्वारा निर्देशित और लाइका प्रोडक्शंस के सुबास्करन द्वारा निर्मित इंडियन 2 कमल हासन,सिद्धार्थ, रकुल प्रीत सिंह, काजल अग्रवाल भी हैं।

'सुहागन चुड़ैल' को लेकर मैं पहले दुविधा में थी : अपरा मेहता

मुंबई/एजेन्सी

कलर्स के नए फैंटेसी थ्रिलर सीरियल 'सुहागन चुड़ैल' में सीनियर एक्ट्रेस अपरा मेहता योगिनी कपिला की भूमिका में नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए बताया कि शुरू में उन्हें थोड़ी शंका थी। उन्होंने कभी भी सुपरनैचुरल फैंटेसी जॉनर में काम नहीं किया था। अपरा ने कहा कि शुरू में मुझे थोड़ी शंका थी। मैंने पहले कभी भी सुपरनैचुरल फैंटेसी जॉनर में काम नहीं किया था। हालांकि, शानदार टीम और खासकर निया शर्मा, जो मेरी बेहद प्यारी हैं, के साथ काम करने के बाद मुझे पता था कि यह शो असाधारण है, जिसने मुझे इसे करने के लिए राजी कर लिया। अपनी किरदार के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि मैं योगिनी की भूमिका निभा रही हूं, जो निशिगंधा की खतरनाक योजनाओं के खिलाफ लड़ने में दीया का साथ देगी। इस शो में मेरा लुक मेरे द्वारा पहले किए गए किसी भी किरदार से बेहद अलग है। अपरा ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ऑडियंस उनके परफॉर्मेंस की सराहना करेगी और हमेशा की तरह उनका सपोर्ट करेगी। शो में फिलहाल, शादी का ट्रैक चल रहा है, जहां निशिगंधा (निया शर्मा) और मोक्ष (जैन इबाद खान) शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। इस बीच, दीया मोक्ष को निशिगंधा के बुरे इरादों से बचाने की पूरी कोशिश करती नजर आएंगी, जो उसकी बलि देकर अमर होना चाहती है।

अब सभी तरह की कहानियां दिखाने का मौका मिल रहा है : सुरभि ज्योति

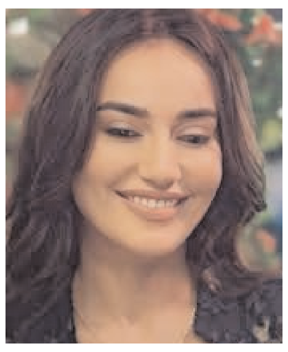

नई दिल्ली/भाषा। 'कुबूल है', 'नागिन 3' जैसे टेलीविजन धारावाहिकों और अब ओटीटी पर प्रसारित 'गुनाह' में अपनी भूमिकाओं के लिए पहचानी जाने वाली अदाकारा सुरभि ज्योति ने कहा कि यह अभिनेत्री बनने का अच्छा वक्त है क्योंकि अब सभी तरह की कहानियों को कहने का पर्याप्त अवसर उपलब्ध है। ज्योति (36) खुश हैं कि चाहे टेलीविजन हो, ओटीटी मंच हो या सिनेमा हो, अब ''हर प्रकार के पात्र, कलाकार और आयु वर्ग'' के लिए कुछ लेकर आने पर ध्यान केंद्रित रहता है। अभिनेत्री ने एक साक्षात्कार में 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मुख्य भूमिकाएं निभाने के लिए आपको किसी एक छवि में बंधने की जरूरत नहीं है। ऐसा ही होना चाहिए क्योंकि जब आप कहते हैं कि सिनेमा समाज का आइना है तो बेहतर है कि उसमें समाज की झलक दिखे। यह अच्छी बात है कि नई कहानियां यथार्थवादी और प्रासंगिक चरित्र पेश कर अधिक समावेशी बन रही हैं।'' 'डिज्नी प्लस हॉटस्टार' पर प्रसारित ''गुनाह'' शिवा की कहानी है जिसकी दुनिया उसके प्रियजनों द्वारा छले जाने के बाद बिखर जाती है। वह अभिमन्यु के रूप में एक नई पहचान बनाता है। ज्योति ने कहा कि ''गुनाह'' ने उन्हें तारा नाम की एक कारोबारी महिला का किरदार निभाने का मौका दिया है जो लीक से हटकर है। इसमें वह अभिमन्यु की प्रेमिका का किरदार निभा रही हैं। वह 'गुनाह' के लिए मिल रही प्रशंसा से काफी खुश हैं।

फिल्म 'स्त्री 2' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर स्टारर 'स्त्री 2' का टीजर रिलीज हो गया है। 'स्त्री 2' के टीजर में राजकुमार राव,श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी नजर आ रहे हैं। इस टीजर को जारी करते हुए कैप्शन में लिखा गया है, 'इस बार चंदेरी में आजादी के दिन होगा आतंक! लीजेंड इस स्वतंत्रता दिवस को 15 अगस्त को लौट रही है!' टीजर की शुरुआत राजकुमार राव और अन्य लोगों से होती है, जो स्त्री की मूर्ति पर दूध चढ़ा रहे हैं। गांव में अफरा-तफरी मच जाती है, क्योंकि वे बार-बार कहते हैं 'स्त्री वापस आ गई'। स्त्री के किरदार में श्रद्धा कपूर की भी झलक देखने को मिल रही है। 'स्त्री 2' को अमर कौशिक ने निर्देशित किया है और दिनेश विजन की मैडॉक फिल्म्स ने इसे प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 15 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

'मिर्जापुर' के लोकप्रिय होने से पहले हम सिर्फ 'कलाकार' थे : पंकज त्रिपाठी

मुंबई/एजेन्सी

'मिर्जापुर' सीरीज में कालीन भैया का किरदार निभाने वाले फेमस एक्टर पंकज त्रिपाठी ने कहा कि शो के चर्चित होने से पहले उन्हें और अन्य सितारों को सिर्फ एक 'कलाकार' के रूप में जाना जाता था। पंकज ने कहा कि मिर्जापुर ने मेरे करियर में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।विशेष रूप से इंटरव्यू के दौरान पत्रकार अक्सर हमें 'स्टार कास्ट' कहकर बोलते हैं, लेकिन 'मिर्जापुर' के वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय होने से पहले, हम केवल शो के 'कास्ट' थे। कलाकारों में अली फजल, श्वेता त्रिपाठी शर्मा, रसिका दुग्गल, विजय वर्मा, ईशा तलवार, अंजुम शर्मा, प्रियांशु पैनयुली, हर्षिता शेखर गौड़, राजेश तैलंग, शीबा चड्ढा, मेघना मलिक और मनु ऋषि चड्ढा भी शामिल हैं। पंकज आज जिस स्टारडम का आनंद ले रहे हैं, उसका श्रेय 'मिर्जापुर' को देते हैं। उन्होंने कहा कि यह 'मिर्जापुर' ही है, जिसने हमें स्टार बना दिया।

सीजन-1 के बाद, प्रशंसकों, खासकर महिलाओं से मुझे जो प्रतिक्रिया मिली, उसने मुझे आश्चर्यचकित कर दिया। इससे मुझे एहसास हुआ कि 'कालीन भैया' किसी भी अन्य डॉन से अलग है, जिसे भारतीय दर्शकों ने कभी सेल्युलाइड पर देखा है।

पंकज ने कहा कि पारंपरिक माफिया और डॉन के विपरीत, वह प्रभावी रूप से मृदुभाषी, नैतिक और भरोसेमंद होने का दिखावा करते हैं। कालीन भैया कोई आम अपराधी नहीं है, यही उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। हम इंसानों के कई पहलू होते हैं और कालीन भैया इसका सटीक चित्रण हैं। 2018 में शुरू हुई इस सीरीज के पहले सीजन में पंकज के किरदार अखंडानंद त्रिपाठी को दिखाया गया है, जिसे 'कालीन भैया' के नाम से जाना जाता है, जो उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल के मिर्जापुर में एक खूंखार गैंगस्टर है।

एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित 'मिर्जापुर' सीजन 3 का निर्देशन गुरमीत सिंह और आनंद अय्यर ने किया है। दस एपिसोड की यह सीरीज 5 जुलाई को प्राइम वीडियो पर विशेष रूप से प्रीमियर होगी। फिल्मों की बात करें तो पंकज अगली बार अमर कौशिक की हॉरर कॉमेडी 'स्त्री 2' में नजर आएंगे। यह फिल्म 2018 की फिल्म 'स्त्री' का सीक्वल है, जिसमें श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना ने अभिनय किया है।

टाइगर श्रॉफ जैसे सितारों का कैरियर कभी खत्म नहीं होता: अहमद खान

मुंबई/एजेन्सी

टाइगर श्रॉफ के डांस और एक्शन की दुनिया काफी दीवानी है। टाइगर को इंडस्ट्री में आए लगभग 10 साल हो गए हैं और इन सालों में उन्होंने कई फिल्में कीं। लेकिन उनकी पिछली कुछ फिल्में बैक टू बैक फ्लॉप हुई हैं। टाइगर श्रॉफ का करियर खत्म हो गया, जब ऐसा सवाल डायरेक्टर अहमद खान से किया गया तो उन्होंने इसका सटीक जवाब दिया। अहमद खान वो निर्देशक हैं जिनकी निर्देशित फिल्म हीरोपंती (2014) से टाइगर श्रॉफ ने डेब्यू किया था। अहमद खान ने बताया कि टाइगर का दौर क्यों खत्म होता दिख रहा है या फिर उनकी फिल्में फ्लॉप क्यों हो रही हैं? सिद्धार्थ कनन के शो में हाल ही में अहमद खान पहुंचे। अहमद खान फेमस कोरियोग्राफर हैं जिन्होंने बाल कलाकार के रूप में एक्टिंग की शुरुआत की थी और आज वो कोरियोग्राफर के साथ फिल्म डायरेक्टर-प्रोड्यूसर भी हैं। अहमद खान से जब सिद्धार्थ कनन ने पूछा कि क्या टाइगर श्रॉफ का करियर खत्म हो रहा है?

इस पर अहमद खान ने कहा, 'टाइगर के बारे में एक बात कहना चाहूंगा कि सुपरस्टार के बेटे होने के बाद भी हर चीज के पंक्चुअल हैं विद जीरो एटिट्यूट. समय पर आते हैं, सेट पर उनको लेकर कोई प्रॉब्लम नहीं होती है और आप जो बोलेंगे वो हमेशा करने को तैयार रहते हैं। ऐसे लोगों का करियर कभी खत्म नहीं होता है।'

'एक एक्टर में एक्शन करना, डांस करना, गुड लुक्स होना और बॉडी होना.....सबकुछ होना चाहिए और टाइगर में वो सब कुछ है। इस समय वो कमर्शियल फिल्में कर रहे हैं जो उन्हें नहीं करनी चाहिए। वो कंटेंट गलत चुन रहे इसका मतलब ये बिल्कुल नहीं कि उनका करियर ही खत्म हो रहा है।' निर्देशक आगे कहते हैं, 'हर हीरो का एक बुरा दौर आता है और टाइगर का यही है, लेकिन इससे ये साबित नहीं होता कि वो बुरे एक्टर हैं। मैंने उनके साथ काफी काम किया है मैं जानता हूं। जब उनका समय आएगा तो उनका स्टारडम भी लौटेगा, अभी तो उनकी शुरुआत है......उन्हें बहुत आगे तक जाना है।' बता दें, टाइगर श्रॉफ के साथ अहमद खान ने 'हीरोपंती', 'बागी', 'बागी 2' जैसी सुपरहिट फिल्में की हैं। वहीं टाइगर की पिछली फिल्में 'हीरोपंती 2', 'गणपत' और 'बड़े मियां छोटे मियां' जैसी फिल्में फ्लॉप रही हैं। अब टाइगर 'सिंघम अगेन' में नजर आएंगे जो दिवाली 2024 पर रिलीज होगी।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर में चातुर्मास करने के उद्देश्य से शहर को जानने के लिए मैसूरु पहुंचे आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने बुधवार को जेएसएस डेंटल कॉलेज परिसर में प्रवचन में कहा कि धर्म के अस्तित्व को टिकाना और समाज को उन्नति के पथ पर आगे बढ़ाना सरल नहीं है।

राजेन्द्र पूनम ग्रुप ने की आदोनी व अंतरिक्ष तीर्थ की यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय राजेन्द्र पूनम ग्रुप के सदस्यों ने ज्येष्ठ सुदी पूर्णिमा के अवसर पर आदोनी एवं अंतरिक्ष तीर्थ यात्रा का लाभ लिया। ग्रुप के सदस्य भुरमल बंदामुथा ने बताया कि बेंगलूरु से श्रद्धालुओं ने आदोनी पेददतुम्बलम तीर्थ एवं अंतरिक्ष तीर्थ की पांच दिवसीय यात्रा की। इस यात्रा के आयोजन का लाभ सामूहिक रुप से लिया गया। तीर्थयात्रा में युवा, महिला, बच्चे एवं वरिष्ठ नागरिक भी शामिल हुए। इस बार 126 सदस्यों ने प्रभु भक्ति का लाभ लिया । प्रभु भक्ति के दौरान विभिन्न मंदिरों व तीर्थों पर सेवा, पूजा-पाठ, चैत्यवंदन, स्तवन, सांझी एवं गीतों के माध्यम से प्रभु एवं गुरु महिमा का बखान किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रस्तुति

बेंगलूरु के नंदिनी लेआउट स्थित राम आंजनैया कला संघ द्वारा पौराणिक नाटक 'कृष्ण साधना' का मंचन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने रंगमंच के कलाकारों को सम्मानित करते हुए कहा कि ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम दर्शकों को अपनी संस्कृति से जोड़ते हैं।

एलआईसी के अधिकारी व अभिकर्ताओं ने राज्यपाल से भेंट की, किया आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीवन बीमा निगम (एलआईसी) बेंगलूरु मंडल विभाग 2 के सीनियर डिविजनल मैनेजर राजशेखर, फ्रेजर टाउन शाखा के प्रबंधक कुमारन, बीमा अभिकर्ता दिनेश खिंवेसरा एवं नरेश खिंवेसरा ने राज्यपाल थावरचन्द गहलोत से शिष्टाचार भेंट की। सीनियर डिविजनल मैनेजर ने राज्यपाल को एलआईसी की जानकारी देते हुए सितंबर माह में एलआईसी के 68वें स्थापना वर्ष के आयोजन हेतु आमंत्रण दिया। फ्रेजर टाउन शाखा के प्रबंधक कुमारन, अभिकर्ता दिनेश खिंवेसरा व नरेश खिंवेसरा ने एलआईसी की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया। इस मौके पर राज्यपाल ने भारत के विकास में एलआईसी के योगदान को सराहा। एलआईसी के प्रतिनिधियों ने राज्यपाल को पौधा प्रदान कर सम्मान किया।

प्राकृतिक चिकित्सा शिविर में सैकड़ों लोग हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चामराजपेट स्थित महावीरस्वामी वर्षितप चेरिटेबल ट्रस्ट एवं डॉ राम मनोहर लोहिया आरोग्य जीवन संस्थान हनुमानगढ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित छह दिवसीय एक्युप्रेशर चिकित्सा शिविर में करीब 200 से अधिक मरीजों ने प्राकृतिक चिकित्सा का लाभ लिया। चिकित्सा विशेषज्ञ टीके चौधरी ने अपनी टीम के साथ विभिन्न रोगों के लिए परामर्श दिया तथा रोगियों को एक्युप्रेशर चिकित्सा का प्रशिक्षण भी दिया। संस्था के अध्यक्ष महावीर मेहता ने बताया कि यह शिविर 29 जून तक चलेगा।

कार्यक्रम में महावीर श्रीश्रीमाल, गजेंद्र चन्दावत, विकास पालरेचा, सन्तोष चौहान, धनपत मेहता आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस ने पित्रोदा को फिर से बनाया 'इंडियन ओवरसीज कांग्रेस' का प्रमुख

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने अपने नेता सैम पित्रोदा को बुधवार को एक बार फिर से 'इंडियन ओवरसीज कांग्रेस' का प्रमुख नियुक्त कर दिया। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पित्रोदा की फिर से नियुक्ति की। पित्रोदा ने लोकसभा चुनाव के दौरान आठ मई को 'इंडियन ओवरसीज कांग्रेस' के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। उनकी उस टिप्पणी को लेकर विवाद खड़ा हो गया था जिसमें उन्होंने कहा था कि पूर्व के लोग चीनी और दक्षिण भारतीय अफ्रीकी नागरिकों जैसे दिखते हैं। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पित्रोदा की नस्ली टिप्पणियों को लेकर उन पर निशाना साधते हुए दावा किया था कि इससे विपक्षी दल की विभाजनकारी राजनीति बेनकाब हो गई है।

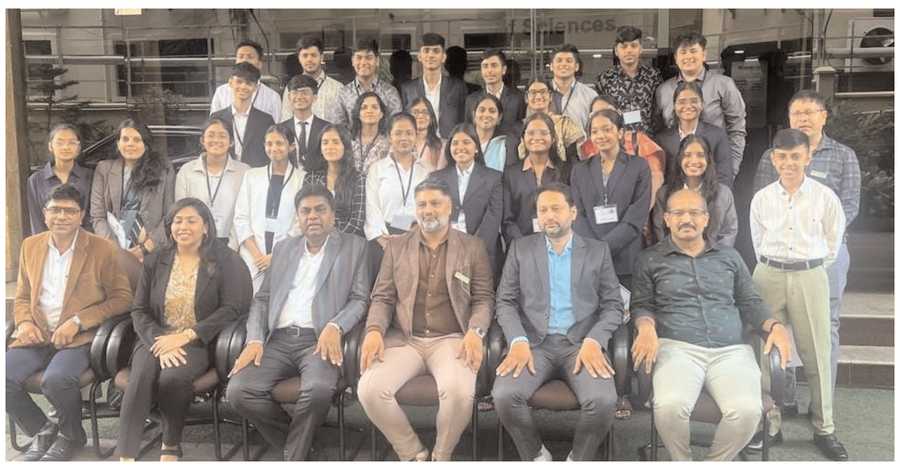

सम्यक् ग्रुप ने आयोजित किया सात दिवसीय इफेक्टिव पब्लिक स्पीकिंग कोर्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सम्यक ग्रुप द्वारा सात दिवसीय इफेक्टिव पब्लिक स्पीकिंग कोर्स (ईपीएस) का आयोजन जैन कॉलेज में किया गया। इस कोर्स में तीस प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षक विनोद मोदी, संदीप पोखरना और कामना जैन ने प्रतिभागियों को कुशलता और समर्पण से पब्लिक स्पीकिंग के विभिन्न पहलुओं पर गहन ज्ञान प्रदान किया। रविवार को आयोजित दीक्षान्त समारोह का आयोजन किया गया प्रकाश पिरगल द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। पारस भंडारी से सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया। कार्यक्रम के चेयरमैन अरविंद तलावत ने मंच का संचालन किया और अंत में प्रकाश संघवी ने धन्यवाद दिया।

मानव सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राजस्थान परिषद के सदस्यों ने मासिक सेवा आयाम के अन्तर्गत केजी रोड स्थित पुंज सिंधी पंचायत में कमलेश भरत डूंगरवाल के सौजन्य से 300 ज़रूरतमंद लोगों के लिए अन्नदान सेवा का आयोजन किया। सिंधी पंचायत के पूर्व अध्यक्ष राम कपाई ने भगवान राधा कृष्ण की प्रार्थना कर अन्नदान की शुरुआत की। इस सेवा में प्रायोजक परिवार, मंत्री विनय बैद, सहमंत्री रणजीत राखेचा आदि उपस्थित रहे।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप जैन, उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी व सचिव रविंद्र बंबोली ने राज्य सरकार के कपड़ा मंत्री शिवानंद पाटिल से उनके कार्यालय में मुलाकात कर उन्हें 16 जुलाई से बेंगलूरु गायत्री विहार सभागार में शुरु होने वाले ट्रेड फेयर में बतौर मुख्यअतिथि शामिल होने के लिए निमंत्रण दिया तथा ट्रेड फेयर की जानकारी दी।

मुनिश्री तरुणसागर जयन्ती पर मुनिश्री को याद किया, की मानवसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हासन। यहां के अतिशय क्षेत्र कंबदहल्ली में भट्टारकश्री भानुकीर्तिजी ने क्रान्तिकारी राष्ट्रसंत मुनिश्री तरुणसागरजी की 57वीं जयन्ती पर विनयांजलि अर्पित करते हुए कहा कि मुनिश्री तरुणसागरजी ने अपनी साधना के पथ पर दृढ़ता से आगे बढ़ते हुए बादलों की तरह गरज कर, बिजली की तरह चमक कर सोए हुए जनमानस में क्रांति का बीज बोया। शाकाहार एवं पशुओं की रक्षा के लिए क्रान्तिकारी का रूप धारण किया।

पूरे विश्व में क्रांतिकारी जैन मुनिश्री तरुण सागरजी कड़वे प्रवचनों के लिए विख्यात हैं । इस अवसर पर तुमकुर समाज के तरुणक्रांति मंच के सदस्यों ने जैन मठ में गुरुकुल के बच्चों और यात्रियों के लिए अनाज एवं अन्य सामान भेंट किया और स्वामीजी भानुकीर्तिजी से आशीर्वाद प्राप्त किया। बेंगलूरु के केआर रोड़ स्थित भगवान महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर में तरुणसागरजी के 57वें अवतरण दिवस पर तरुण क्रांति मंच द्वारा विन्यांजली अर्पित की गई ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सहयोग

मैसूरु के हेल्पिंग हैंड्स जैन यूथ आर्गेनाइजेशन की लेडीज विंग ने शिक्षा योजना के द्वितीय चरण के तहत बुधवार को ऊटी मार्ग पर मुनेश्वरनगर स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत विधार्थियों को स्कूल गणवेश, थैले, जूते-मौजे तथा पाठय सामग्री भेंट की। मानवसेवा कार्यक्रम में सीमा बोहरा, बिंदु बाघमार, इंदिरा खाबिया, आशा बाघमार ने सेवा की।

अच्छे, ज्ञानी और समर्पित साधु-संतों की हर काल में आवश्यकता : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर में चातुर्मास करने के उद्देश्य से शहर को जानने के लिए मैसूरु पहुंचे आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने बुधवार को जेएसएस डेंटल कॉलेज परिसर में प्रवचन में कहा कि धर्म के अस्तित्व को टिकाना और समाज को उन्नति के पथ पर आगे बढ़ाना सरल नहीं है। मात्र कुछ धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन अथवा समाज के सामूहिक भोजन समारोहों से समाज या धर्म की रक्षा नहीं हो जाती। इसके लिए तो अच्छे, ज्ञानी और समर्पित साधु-संतों की हर काल में आवश्यकता रहेगी। जिस परंपरा के साधु-संत शिथिल या कमजोर होंगे, वह समाज और परंपरा धीरे-धीरे समाप्त हो जाएंगे। जैनाचार्य ने आगे कहा कि ज्ञानी और समर्पित साधु-संत ही राष्ट्र, धर्म व समाज की धूरी होते हैं। शास्त्रों ने अच्छे और ज्ञानी साधु-संतों के योग को दुर्लभ कहा है। जब महान पुण्य का योग बनता है तो अच्छे साधु-संत अपने शहर या घर में आते हैं। वे जहां जाते हैं, वहां सब सोना-सोना हो जाता है और वे जहां से विदा होते हैं, वहां सब सूना-सूना हो जाता है।

बुधवार को आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी और गणि पद्मविमलसागरजी ने अपने शिष्य-प्रशिष्यों के साथ प्रातः शुभ मुहूर्त में सर्कल से शहर की सीमा में प्रवेश किया। श्रद्धालुओं ने संतों का स्वागत किया। संतों ने मंगलपाठ कर सबकी सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान, अशोक दांतेवाड़िया, भंवरलाल लुंकड़, बाबूलाल बागरेचा, जीतू लुंकड़, अनिल लुंकड़, ऋषभ बागरेचा, भावेश बागरेचा, भोजराज जैन, दलीचंद जैन, महावीर जैन, मनीष मुणोत, अमित दांतेवाडिया और बेंगलूरु से अशोक कांकरिया, मुकेश दांतेवाडिया, गौतम भंसाली, यकीन गोड़वाड़, संयम श्रीश्रीमाल के साथ अनेक श्रावक-श्राविका गण उपस्थित थे।

तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर ने विसर्जन दिवस पर आयोजित की भाषण प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा आचार्यश्री तुलसी के 28वें महाप्रयाण दिवस को विसर्जन दिवस के रूप में मनाया। विजयनगर भवन में आयोजित इस मौके पर 'मौलिकता रहे सुरक्षित, परिवर्तन सदा अपेक्षित' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत किया। कुसुम डांगी ने सभी को प्रतियोगिता के नियम समझाएं तथा कांता लोढ़ा ने विषय पर प्रस्तुति देते हुए कहा कि समय के साथ परिवर्तन आवश्यक है किंतु संस्कृति को अक्षुण्ण रखते हुए परिवर्तन अपनाएं।

पूर्व अध्यक्ष प्रेम भंसाली में गुरुदेव के अवदानों को याद करते हुए कहा, जब युग अणु बम बना रहा था तब गुरुदेव ने विश्व शांति को ध्यान में रखते हुए अणुव्रत आंदोलन का सूत्रपात किया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतियोगियों ने विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए गुरुदेव के विभिन्न अवदानों को याद किया। प्रतियोगिता में विजेता रहे प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष सुमित्रा बरडिया ने किया तथा आभार ज्ञापन मंत्री दीपिका गोखरू ने किया।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय - सी.आर.पी.एफ.
यलहंका, बेंगलूरू - 560 064.
दूरभाष - 080 - 28567017
ई-मेल : kvcrpfyelfin@gmail.com, वेबसाइट : https://crpfyelahanka.kvs.ac.in

नीलामी सूचना

F-13-084/KVCRPF/ 2024-25/ दिनांक : 03.06.2024

कार्यालय आदेश क्रमांक : एफ.13084/2024-25 / आरओ / बीजीआर / एडमिन / 427, दिनांक 20.05.2024 के अनुसार इस विद्यालय के निम्नलिखित विभागों से संबंधित रु. 1495064/- की अनुपयोगी व निंदित वस्तुओं का 29.06.2024 को प्रातः 10.00 बजे विद्यालय परिसर में सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से निस्तारण किया जाएगा । पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, सीआरपीएफ यलहंका के कर्मचारियों और उनके रिश्तेदारों को नीलामी में भाग लेने की अनुमति नहीं है ।

क्रम	संविभाग का नाम	विद्यालय कोष में राशि (रु)	वीवीएन में राशि (रु)	कुल राशि (रु)
1.	फर्नीचर	0	468656	468656
2.	खेल विभाग	0	7106	7106
3.	पुस्तकालय	0	13121	13121
4.	प्रयोगशाला सामग्री (रसायन विज्ञान)	0	31180	31180
5.	आईटी उपकरण	0	975001	975001
			कुल योग	1495064

(चौदह लाख पंचानबे हजार चौसठ रूपये मात्र)

बिना किसी कारण के किसी भी समय नीलामी को रद्द या स्थगित करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित है। इच्छुक बोलीदाता इस विद्यालय में आकर निर्धारित तिथि और समय पर सार्वजनिक नीलामी में भाग ले सकते हैं। सफल बोलीदाता आवश्यक भुगतान करने के बाद नीलाम की गई वस्तुओं को अपनी लागत पर विद्यालय परिसर से तुरंत ले जाएँगे । भुगतान रसीद विद्यालय कार्यालय द्वारा जारी की जाएगी ।

सही /- प्राचार्या

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. Editor-Shreekant Parashar, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com